दैनिक

राष्ट्रीय जनभावना

वर्ष-3, अंक-53
इन्दौर रविवार 17 मई
2025 पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

RNI-MPHIN/2013/53761, DAVP 133088/20/02/2020

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

सुविचार

भोजन के लिए अच्छे पदार्थों का उपलब्ध होना, उन्हें पचाने की शक्ति का होना, सुंदर स्त्री के साथ संसर्ग के लिए कामशक्ति का होना, प्रचुर धन के साथ-साथ धन देने की इच्छा होना। ये सभी सुख मनुष्य को बहुत कठिनता से प्राप्त होते हैं।

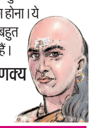

चाणक्य

नेपाल के रास्ते बिहार में घुसपेठ की फिराक में आतंकी

इंडो-नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट, सुपौल SP बोले- स्पीपर सेल के सदस्यों को पहचानना मुश्किल

किशनगंज/सुपौल (एजेंसी)। भारत-पाक तनाव के बीच खुफिया विभाग की ओर से आतंकी घुसपैठ का अलर्ट जारी किया गया है। नेपाल के रास्ते बिहार में आतंकी घुसपैठ की कोशिश में हैं। इसकी सूचना मिलते ही भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बढ़ी दी गई है। खुफिया एजेंसियों के अनुसार, बांग्लादेश और पाकिस्तान से जुड़े 10 से ज्यादा आतंकी किशनगंज के ठाकुरगंज के रास्ते बिहार में घुसने की फिराक में हैं। यह संदिग्ध आतंकी ग्रुप बांग्लादेश के जमात-उल-मुजाहिदीन, हरकत-उल जिहाद अल-इस्लामी और बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े बताए जा रहे हैं। इस अलर्ट के बाद बिहार के सीमावर्ती जिलों में चौकसी बढ़ा दी गई हैं। सशस्त्र सीमा बल (SSB) और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने किशनगंज, सुपौल, किशनगंज, अररिया और सीतामढ़ी में गश्त बढ़ा दी है। वीरपुर, निर्मली और कोसी नदी के दियारा क्षेत्रों में गश्त तेज कर दी गई है।

किशनगंज SP बोले- स्लीपर सेल के खिलाफ कार्रवाई शुरू

किशनगंज SP सागर कुमार ने बताया- सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा बलों की चौकियां अलर्ट पर हैं। सुरक्षा कर्मियों को सादे कपड़ों में भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों पर तैनात किया गया है। बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और धार्मिक स्थलों की निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध स्थिति से निपटा जा सके। इसके अलावा, वाहनों की सघन

चेकिंग और सीमा पर चेकिंग अभियान को बढ़ावा दिया गया है।

स्लीपर सेल की पहचान करना चुनौती- SP

सुपौल SP ने बताया- स्लीपर सेल के आतंकवादी आम लोगों के बीच रहकर साधारण जीवन जीते हैं, जिससे उनका पहचानना बेहद मुश्किल हो जाता है। ये आतंकवादी अपने लक्ष्यों की पहचान करते हैं और हमले की तैयारी में जुटे रहते हैं। उनकी मदद करने वाले स्थानीय लोगों की पहचान करना भी एक चुनौती है।

सुपौल SP बोले- 3-4 दिन पहले मिला था इनपुट

सुपौल के SP शैशव यादव ने बताया- पाकिस्तान और बांग्लादेश से आतंकवादी नेपाल के रास्ते बिहार में घुसने की फिराक में हैं। मैंने शुक्रवार शाम भीमनगर थाने का औचक निरीक्षण किया। गश्ती और रात्रि पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने इंडो-नेपाल सीमा पर स्थित स्स्ब्की भीमनगर बीओपी का भी दौरा किया।

मंत्री, उप मुख्यमंत्री, सांसद के बाद , अब विधायक ने बढ़ाई भाजपा की परेशानी,

रीवा के मनगवां से भाजपा विधायक नरेंद्र प्रजापति ने किया दावा

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर यूनाइटेड नेशन ने कराया

भोपाल/रीवा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत तगड़ा प्रहार किया। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव के हालात बन गए थे, भारतीय सेना ने पाकिस्तान की हर करतूर का करारा जवाब दिया। सेना की बहादुरी, ऑपरेशन सिंदूर और फिर पाकिस्तान पर तगड़े एक्शन को लेकर देश भर में भारतीय सेना की सराहना हुई। लेकिन, कुछ नेताओं की बदजुबानी ने हर देशवासी को शर्मसार कर दिया। इस बदजुबानी की शुरुआत मप्र सरकार में मंत्री विजय शाह ने की, इसके बाद

डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा भी गलत बोल गए। इसके बाद भाजपा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की जुबान फिसल गई और वे आतंकियों को हमारे आतंकवादी कह गए। अब रीवा के मनगवां से भाजपा विधायक नरेंद्र प्रजापति ने दावा किया है कि भारत ने यूनाइटेड नेशन के आदेश के चलते सीजफायर किया है। इससे प्रदेश का राजनीतिक माहौल एक बार फिर गरमा गया है। दरअसल, रीवा में वह तिरंगा यात्रा के बाद भरे मंच से जनता को संबोधित कर रहे थे। भारत-पाकिस्तान के बीच चार दिन बॉर्डर पार ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद संघर्ष को खत्म करने के लिए 10 मई को एक समझौते पर पहुंचे थे। पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ को फोन कर सीमा पर सीज फायर की गुजारिश की थी। जिसके बाद दोनों देशों की आपसी सहमति से सीजफायर पर मुहर लगाई गई थी। पूरे मामले को लेकर भाजपा की तरफ से दावा किया गया था कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र या फिर अन्य दूसरे देश के दबाव में आकर इस तरह का निर्णय नहीं किया है।

उत्तरी कश्मीर में कई जगह पुलिस के छापे

आतंकी मूवमेंट की जानकारी के बाद एक्शन

श्रीनगर/इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) सेंट्रल और नॉर्थ कश्मीर के सोपोर, बारामुला, हंदवाड़ा, गांदरबल और श्रीनगर समेत कई इलाकों में छापेमारी कर रही है।

यह कार्रवाई आतंक से जुड़े मामलों की जांच के सिलसिले में की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार देर रात एजेंसी को संदिग्ध आतंकी मूवमेंट की जानकारी मिली थी, जिसके बाद यह कार्रवाई शुरू की गई। इधर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नूर खान एयरबेस पर भारतीय हमले की बात कुबूल कर ली है।

उन्होंने कहा कि 10 मई की रात करीब 2:30 बजे जनरल आसिम मुनीर ने उन्हें सेफ लाइन पर फोन कर बताया कि भारत की बैलिस्टिक मिसाइलों ने नूर खान एयरबेस और कुछ अन्य इलाकों को निशाना बनाया है। शरीफ ने शुक्रवार रात दावा किया कि पाकिस्तान की वायुसेना ने देसी तकनीक और आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कर देश को बचाया। चीन से मिले जेट्स का भी इस्तेमाल किया गया।

माउंट एवरेस्ट की चोटी से उतर रहे भारतीय पर्वतारोही की मौत

नई दिल्ली। भारतीय पर्वतारोही पश्चिम बंगाल के 45 वर्षीय सुब्रत घोष की मौत हिलेरी स्टेप के ठीक नीचे हुई, जो 8,84886 मीटर (29,032 फीट) ऊंची चोटी के पास एक खतरनाक हिस्सा माना जाता है घोष माउंटेनियरिंग एसोसिएशन ऑफ कृष्णानगर - स्नोई एवरेस्ट एक्सपीडिशन 2025 का हिस्सा थे और शनिवार दोपहर देर को उन्होंने शिखर पर पहुंचने में सफलता पाई थी।अधिकारियों ने पुष्टि करते हुए बताया कि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर हाल के दिनों में हुई यह दूसरी मौत है। जानकारी के मुताबिक, स्नोई होराइजन ट्रेक्स के प्रबंध निदेशक बोधराज भंडारी ने कहा, 'घोष दोपहर लगभग 2 बजे शिखर पर पहुंचे।

अफगानिस्तान से 160 ट्रक सूखे मेवे भारत पहुंचे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत हमेशा ही बड़ा दिलवाला रहा है। दुनिया की मदद और उनके तकलीफों में हमेशा ही शामिल रहा है। हाल ही में अफगानिस्तान के लिए भारत दरियादिली दिखाते हुए अटारी-वाघा सीमा के रास्ते 160 अफगान ट्रकों को विशेष प्रवेश की अनुमति दी है। ये ट्रक सूखे मेवे और नट्स जैसे सामान लेकर भारत पहुंचे हैं। यह कदम भारत और तालिबान के बीच हाल ही में हुई पहली राजनीतिक बातचीत के बाद उठाया गया है।

ट्रम्प के प्रवासियों को निकालने पर सुको की रोक

अमेरिकी राष्ट्रपति नाराज, कहा- जज अपराधियों को देश से निकालने नहीं देंगे

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ट्रम्प के वेनेजुएला के अप्रवासियों को देश से निकालने के फैसले पर रोक लगा दी है।

कई अप्रवासी अभी टेक्सास की एक हिरासत केंद्र में बंद हैं। ट्रम्प प्रशासन 1798 के 'एलियन एनिमीज एक्ट' के जरिए उन्हें जल्द से जल्द देश से बाहर भेजना चाहता था। ट्रम्प प्रशासन के फैसले पर रोक लगाते हुए कोर्ट ने कहा कि सरकार को लोगों को देश से निकालने से पहले उन्हें कानूनी प्रक्रिया का पूरा मौका देना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रम्प प्रशासन ने जो तरीका अपनाया, जैसे कि 24 घंटे में बिना सुनवाई को अप्रवासी को देश से बाहर भेज देना, यह कहीं से सही नहीं है। एलियन एनिमीज एक्ट युद्ध के समय का बनाया हुआ कानून है जिसमें दुश्मनों को देश से निकालने के लिए कोई भी कानूनी कार्रवाई नहीं करनी होती है। हालांकि अमेरिकी संविधान के कुछ प्रावधान के जरिए इसे कोर्ट में चुनौती दी गई थी। इस फैसले का मतलब है कि प्रवासियों को यह जानने और अदालत में चुनौती देने का अधिकार है कि उन्हें क्यों निकाला जा रहा है। हालांकि यह फैसला अभी अस्थायी है ।

मणिपुर में म्यांमार संगठन सहित आठ उग्रवादी गिरफ्तार

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में पुलिस और सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों में विभिन्न अभियानों में आठ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया, इनमें से एक मोरेह (भारत) और म्यांमार स्थित चिन कुकी राष्ट्रीय रक्षा बल (सीकेएनडीएफ) का कैडर शामिल है। इसकी पहचान चुराचांदपुर जिले के टोंगलाल वेंग के थोंगखोहोउ तोथांग के रूप में हुई, जो चुराचांदपुर जिले के चुराचांदपुर-पीएस के अंतर्गत तुइबोंग से है। वह सीकेएनडीएफ समूह के लिए सशस्त्र विद्रोह और सीमा पार हथियार और कैडर आंदोलन के लिए युवाओं की भर्ती में शामिल है।

केदारनाथ में एयर एंबुलेंस हेलिकॉप्टर क्रैश

सभी यात्री सुरक्षितः लैडिंग के वक्त हुआ हादसा

उदेहरादून। उत्तराखंड के केदारनाथ में शनिवार को एयर एंबुलेंस हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हेलिकॉप्टर में तीन लोग सवार थे- पायलट, डॉक्टर और नर्स। तीनों सुरक्षित हैं। बताया जा रहा कि हेलिकॉप्टर ऋषिकेश एम्स से मरीज लेने केदारनाथ आ रहा था। लैंडिंग से वक्त अचानक बेकाबू होकर जमीन पर गिर गया। हादसा हेलिकॉप्टर का टेल बान टूटने से हुआ। एम्स के PRO संदीप कुमार ने बताया- संजीवनी एयर एंबुलेंस हेलिकॉप्टर एक मरीज को लेने के लिए केदारनाथ गया था। मरीज को एयर एंबुलेंस से रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया जाना था।

फडणवीस का फैसला,

मुंबई के विशेष पुलिस आयुक्त का पद खत्म

आईपीएस अधिकारी आरती सिंह को दी गई बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई एजेंसी)। विवेक फणसलकर के मुंबई पुलिस आयुक्त रहते हुए तत्कालीन शिंदे-फडणवीस सरकार द्वारा मुंबई के लिए बनाए गए विशेष पुलिस आयुक्त के पद को समाप्त किया जा रहा है। मुंबई में अब विशेष पुलिस आयुक्त के स्थान पर छठा संयुक्त

पुलिस आयुक्त होगा। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं और इस पद का दर्जा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक से घटाकर विशेष पुलिस महानिरीक्षक कर दिया गया है। आईपीएस अधिकारी आरती सिंह को संयुक्त खुफिया आयुक्त नियुक्त किया गया है।

दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

गिरिडीह (एजेंसी)। झारखंड में गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र में शनिवार को सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि कार पर सवार लोग जा रहे थे। इस दौरान कार अनियंत्रित होकर अम्बाडीह मोड़ पर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गयी। इस घटना में कार पर सवार तीन लोगों की मौत हो गयी।

फिर मिली एयरपोर्ट और ताज होटल को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और ताज महल होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

मुंबई एयरपोर्ट पुलिस को यह धमकी भरा ईमेल मिला है। जिसमें ताज महल होटल और मुंबई हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल में कहा गया है कि आतंकवादी अफजल गुरु और सैवक्कू शंकर की फांसी का बदला लिया जाएगा। मुंबई पुलिस ने इस ईमेल को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। मुंबई पुलिस द्वारा उन दोनों स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। यह धमकी भरा ई-मेल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एयरपोर्ट पुलिस अधिकारियों को उनके आधिकारिक ई-मेल पर भेजा गया है। जब ई मेल भेजा गया तब पुलिस कांस्टेबल महेश कदम ड्यूटी पर थे।

ट्रम्प फिर पलटे, कहा- भारत-PAK न्यूक्लियर वॉर मैंने रुकवाई

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव इतना बढ़ गया था कि वे परमाणु जंग के बहुत करीब पहुंच गए थे। ट्रम्प ने शुक्रवार को फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ये बातें कही। उन्होंने कहा कि हालात बहुत गंभीर हो गए थे। अगला कदम क्या होता, आप जानते हैंज 'ह् वर्ड'। यानी न्यूक्लियर वॉर। विदेश नीति की सफलताओं पर ट्रम्प ने कहा कि भारत-पाकिस्तान जंग को रोकना उनकी सबसे बड़ी सफलताओं में से एक है। हालांकि, उन्हें इसका क्रेडिट नहीं मिला।

ट्रम्प बोले- शांति के लिए बिजनेस का इस्तेमाल कर रहा

ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों को जंग रोकने के बदले उनके साथ ट्रेड करने का प्रस्ताव रखा था। अब मैं बिजनेस का इस्तेमाल हिसाब चुकता करने और शांति स्थापित करने के लिए कर रहा हूं।

AAP को बड़ा झटका, 15 पार्षदों ने थर्ड फ्रंट बनाने का किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। पार्टी के पार्षद हेमचंद्र गोयल के नेतृत्व में करीब 15 पार्षदों की शनिवार को बैठक हुई और इसमें कई फैसले लिए गए। सभी 15 पार्षदों ने थर्ड फ्रंट बनाने का ऐलान किया है। नय गुट का नाम %इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी% रहने की संभावना है जिसका नेतृत्व मुकेश गोयल को देने का फैसला लिया गया है। आप के पास अभी 113 सदस्य हैं। हालांकि, इसमें से अब 15 कब हो गए हैं। भाजपा के पास 117 सदस्य हैं। वहीं, कांग्रेस के पास 8 पार्षद हैं। थर्ड फ्रंट बनाने वालों में दिनेश भारद्वाज, सुमन अनिल राणा, मुकेश गोयल, हेमचंद्र गोयल आदि शामिल हैं। आपको बता दें कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) अपनी स्थायी समिति में दो रिक्त पदों को भरने के लिए 22 मई को चुनाव कराएगा, साथ ही विभिन्न वार्ड समितियों के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों के लिए भी चुनाव कराएगा। एक नोटिस में यह जानकारी दी गई।

सुविचार

जो अस्तित्व से अनजान होता है।
उनके अंदर ही अभिमान होता है

जीवन चन्द्राकर लाल
बोरसी,52 दुर्ग
(छत्तीसगढ़

कहानी

बुद्धिमान बनिया

एक गाँव में एक बनिया रहता था,उसकी बुद्धि की ख्याति दूर दूर तक फैली थी। एक बार वहाँ के राजा ने उसे चर्चा पर बुलाया। काफी देर चर्चा के बाद राजा ने कहा,महाशय,आप बहुत अक्लमंद है,इतने पढ़े लिखे है पर आपका लड़का इतना मूर्ख क्यों है ? उसे भी कुछ सिखायें। अरे उसे तो सोने चांदी में मूल्यवान क्या है यह भी नहीं पता। यह कहकर राजा जोर से हंस पड़ा। अब बनिये को बुरा लगा, वह घर गया व लड़के से पूछा,सोना व चांदी में अधिक मूल्यवान क्या है ? सोना,बिना एक पल भी गंवाए उसके लड़के ने कहा। तुम्हारा उत्तर तो ठीक है, फिर राजा ने ऐसा क्यूं कहा ? सभी के बीच मेरी खिल्ली भी उड़ाई। लड़के के समझ मे आ गया,वह बोला,राजा गाँव के पास एक खुला दरबार लगाते हैं,जिसमें गांव के सभी प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होते हैं। यह दरबार मेरे स्कूल जाने के मार्ग मे ही पड़ता है। मुझे देखते ही बुलवा लेते हैं,आप अपने एक हाथ में सोने का व दूसरे में चांदी का सिक्का रख कर,जो अधिक मूल्यवान है वह ले लेने को कहते हैंऔर मैं चांदी का सिक्का ले लेता हूं। सभी ठहाका लगाकर हंसते हैं व मज़ा लेते हैं। ऐसा तक़रीबन हर दूसरे दिन होता है। तो फिर तुम सोने का सिक्का क्यों नहीं उठाते,चार लोगों के बीच अपनी फजीहत कराते हो व साथ मे मेरी भी ? लड़का हंसा व हाथ पकड़कर पिता को अंदर ले गया और कपाट से एक पेटी निकालकर दिखाई जो चांदी के सिक्कों से भरी हुई थी। यह देख वो बनिया हतप्रभ रह गया।लड़का बोला जिस दिन मैंने सोने का सिक्का उठा लिया उस दिन से यह खेल बंद हो जाएगा वो राजा मुझे मूर्ख समझकर मज़ा लेते हैं तो लेने दें,यदि मैं बुद्धिमानी दिखाउंगा तो कुछ नहीं मिलेगा। बनिये का बेटा हूँ अक़्ल से काम लेता हूँ मूर्ख होना अलग बात है और मूर्ख समझा जाना अलग।

प्रेमनारायण वेद
इंदौर

खूबसूरत रिश्ता

शरत पूर्णिमा की रात थी।चन्द्र किरणों में नहाया ताज खूबसूरती की कविता रच रहा था।यमुना में ताज के साथ ही पूर्ण चंद्र का प्रतिबिंब लहरों के साथ अठखेलियां कर रहा था।मोगरे की मादक महक में लिपटी चांदनी ने चांद से कहा... सुनो चांद! ताज की तरह रिश्ते भी कितने खूबसूरत होते हैं। चांद ने कहा...हां चांदनी,पर कितने लोग जानते हैं कि ताजमहल बनाने में जितना वक्त लगा था उतना ही वक्त रिश्ते बुनने में लगता है तभी रिश्ता भी ताज की तरह खूबसूरत लगता है।

रंजना फतेपुरकर
उत्कर्ष विहार
इंदौर मो 98930 34331

निचोड़ने की ताक में ......

हमारा एक मात्र धर्म अहिंसा परमो धर्म है इस बात को हम तन मन से स्वीकार ही नहीं करते हैं बल्कि कदम कदम पर इस्तेमाल करते हैं लेकिन यह एक सत्य की तरह है हम इसका जिवन मे कोई इसका पालन नहीं करते है । यह किसी शास्वत सत्य से कम नहीं है निचोड़ने का महत्व कितना होता है यह निचोड़ने वाला अच्छी तरह से जानता है । कभी आपने इस बात पर गौर किया है कि , कौन किसको , कहां , किस वक्त , कितना निचोड़ रहा है । आप समझ गए ना निचोड़ने की इस कला में पुर्णतह~ ईमानदारी अपनाई जाती है। मैं जानता हूं तुम्हारे मन में उस फल का नाम आ रहा है जो दांत खट्टे करने में माहिर हैं। समझ गए ना मेरा इशारा मैं क्या कहना चाहता हूं । निचोड़ने की शुरुआत कब , कहां , किस वक्त , किसी ने की होगी इस बारे में कुछ भी कहना संभव नहीं है लेकिन , यह अभी भी शोध का विषय है किन्तु निचोड़ने का काम आज़ भी निरंतर अविरल धारा की तरह जारी है । अब तक देखने में यह आ रहा है कि , जो देखो वह एक दूसरे को निचोड़ने में लगे रहो मुन्ना भाई की तरह लगा है । जैसे महंगाई आप हम सभी को निचोड़ रही है । पेपर लीक करने वाले , कोचिंग सेंटर वाले , स्कूल वाले विद्यार्थीयों को किस प्रकार से निचोड़ रहा है एवं फीस के नाम पर अभिभावकों को निचोड़ा जा रहे है । बांस कर्मचारियों को काम के रूप में निचोड़ रहा है। घरवाली पति को अपनी मांगों से निचोड़ रही है । व्यापारी ग्राहक को निचोड़ रहा है । डाक्टर मरीज़ को इलाज के माध्यम से निचोड़ रहा है । लगें रहे मुन्ना भाई की तरह कुल मिलाकर हर कोई एक दूसरे को निचोड़ने में लगा है । सामाजिक रूप से धार्मिक दृष्टि के माध्यम से राजनीतिक चालों के तहत बिगड़ आर्थिक व्यवस्था से हर कोई हर किसी बात , मुद्दे को लेकर निचोड़ा जा रहा है । यह बात अघोषित रूप से कहने में आ रही है कि , जब किसी ने अपने बुलंद हौसला से मन बना ही लिया निचोड़ने का तो फिर उसकी कद काठी नापना फिजूल है क्योंकि हम चाह कर भी उसका कुछ नहीं कर सकते हैं । निचोड़ने की अद्भुत कला में आज सभी प्रवीण है एक दूसरे को निचोड़ने के लिए सभी अपनी-अपनी चाल , चलन , चरित्र के अनुसार अपने अपने हिसाब से चल रहे हैं मगर वह भी समय और परिस्थितियों को देखकर अलग-अलग जगह पर अलग-अलग तरीके से निचोड़ने की प्रक्रिया सलंग्न है क्यों जनाब मैं गलत तो नहीं कह रहा हूं बोलो निचोड़ने की क्रिया उपयोग में लाई जा रही है या नहीं । अरे चुन्नी बाबू जब तक नींबू में रस है तब तक निचोड़ने का मजा ही कुछ और है भाई साहब निचोड़ने का महत्व वही जानता है जो इस कला में निचोड़ना जानता है ।

प्रकाश हेमावत
मकान नंबर 545 गली नंबर 5
बुद्धेश्वर मंदिर की तरफ टाटा नगर रतलाम
मोबाइल नंबर 9301543440

धार्मिक उग्रवाद के विरोध में धर्मनिरपेक्षता एक बड़ी शक्ति

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण संवेदनशील एवं शाश्वत सिद्धांत हैद्य धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व हैद्य जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित हैद्य धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव हैद्य इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है।इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग हैद्य भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना भी हैद्य पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैंद्य धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता हैद्य

भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है।इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता हैद्य प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई हैद्य भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान हैद्य भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करेंद्य भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती हैद्य धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता हैद्य भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता हैद्य हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही

साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों,मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करेंद्य आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास थाद्य स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था,और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति को समानता स्वतंत्रता व न्याय जैसे मानव अधिकार प्राप्त हैंद्य और इन अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता को माना गया है, इसके अभाव में राज्य में समानता व धर्म निरपेक्षता की स्थापना नहीं की जा सकती हैद्य भारत की सबसे बड़ी विशेषता विविधता में एकता ही रही है, विविधता में एकता का मूल मंत्र ही धर्मनिरपेक्षता का हैद्य भारत में अल्पसंख्यक भी इसी देश के निवासी हैं और इनको विश्वास दिलाने तथा इनकी रक्षा करने का मार्ग प्रशस्त धर्मनिरपेक्षता के अस्त्र के रूप में किया गया हैद्य भारत देश निरंतर विकास के सोपान की तरफ अग्रसर है और एक वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में प्रशस्त भी है।इन परिस्थितियों में विश्व के समक्ष धर्मनिरपेक्ष था की एकता का आदर्श स्थापित करने की परम आवश्यकता हैद्य भारतीय संविधान की प्रस्तावना के 42 वें संशोधन 1976 के अंतर्गत पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़ा गया है, जिसका मतलब राज्य सभी मतों को समान रूप से रक्षा करेगा एवं स्वयं भी किसी मत को राज्य के धर्म के रूप में नहीं अपनाएगाद्य भारत का संविधान हमें विश्वास दिलाता है कि उसके साथ धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगाद्य भारत का संविधान पूर्ण रूप से भारतीय जनमानस की व्यक्तिगत, जातिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए ही निर्मित किया गया हैद्य न्यायपालिका तथा कार्यपालिका इस हेतु संपूर्ण रुप से प्रतिबद्ध भी हैंद्य किंतु भारतीय संदर्भ में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि राजनीतिक दलों पर लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ पर राजनीति के लिए मुद्दों को चुनावी हथियार बनाते हैं जिसका शिकार आम जनता को होना पड़ता है । इसके कारण समाज का माहौल बिगड़ जाता हैद्य यह संपूर्ण रूप से एक चिंता का विषय है ।भारत में स्वतंत्रता के बाद से लोकतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत बड़े ही मजबूत रहे हैं और इसकी स्वस्थ परंपरा भी भारत देश में रही है। इसे हमेशा मजबूत एवं शाश्वत बनाने की आवश्यकता वर्तमान में प्रतीत होती हैद्य संजीव ठाकुर, स्तंभकार, लेखक, चिंतक, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415, धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण संवेदनशील एवं शाश्वत सिद्धांत हैद्य धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व हैद्य जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित हैद्य धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव हैद्य इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है।इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग हैद्य भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना भी हैद्य पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैंद्य धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता हैद्य

भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है।इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता हैद्य प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई हैद्य भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान हैद्य भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करेंद्य भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती हैद्य धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता हैद्य भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता हैद्य हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों,मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करेंद्य आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास थाद्य स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था,और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति को समानता स्वतंत्रता व न्याय जैसे मानव अधिकार प्राप्त हैंद्य और इन अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता को माना गया है, इसके अभाव में राज्य में समानता व धर्म निरपेक्षता की स्थापना नहीं की जा सकती हैद्य भारत की सबसे बड़ी विशेषता विविधता में एकता ही रही है, विविधता में एकता का मूल मंत्र ही धर्मनिरपेक्षता का हैद्य भारत में अल्पसंख्यक भी इसी देश के निवासी हैं और इनको विश्वास दिलाने तथा इनकी रक्षा करने का मार्ग प्रशस्त धर्मनिरपेक्षता के अस्त्र के रूप में किया गया हैद्य भारत देश निरंतर विकास के सोपान की तरफ अग्रसर है और एक वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में प्रशस्त भी है।इन परिस्थितियों में विश्व के समक्ष धर्मनिरपेक्ष था की एकता का आदर्श स्थापित करने की परम आवश्यकता हैद्य भारतीय संविधान की प्रस्तावना के 42 वें संशोधन 1976 के अंतर्गत पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़ा गया है, जिसका मतलब राज्य सभी मतों को समान रूप से रक्षा करेगा एवं स्वयं भी किसी मत को राज्य के धर्म के रूप में नहीं अपनाएगाद्य भारत का संविधान हमें विश्वास दिलाता है कि उसके साथ धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगाद्य भारत का संविधान पूर्ण रूप से भारतीय जनमानस की व्यक्तिगत, जातिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए ही निर्मित किया गया हैद्य न्यायपालिका तथा कार्यपालिका इस हेतु संपूर्ण रुप से प्रतिबद्ध भी हैंद्य किंतु भारतीय संदर्भ में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि राजनीतिक दलों पर लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ पर राजनीति के लिए मुद्दों को चुनावी हथियार बनाते हैं जिसका शिकार आम जनता को होना पड़ता है । इसके कारण समाज का माहौल बिगड़ जाता हैद्य यह संपूर्ण रूप से एक चिंता का विषय है ।भारत में स्वतंत्रता के बाद से लोकतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत बड़े ही मजबूत रहे हैं और इसकी स्वस्थ परंपरा भी भारत देश में रही है। इसे हमेशा मजबूत एवं शाश्वत बनाने की आवश्यकता वर्तमान में प्रतीत होती हैद्य

संजीव ठाकुर, स्तंभकार, लेखक, चिंतक, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

क्या चाचा भतीजा महाराष्ट्र में बड़ा खेला करने में है?

महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बाद अब स्थानीय निकाय के चुनाव होने हैं। सुप्रीम कोर्ट के रुख को देखते हुए इन चुनावों के इसी साल संपन्न होने की उम्मीद है। ऐसे में जब देशभर में पहलगाम आतंकी हमला और फिर भारत के ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा है तब महाराष्ट्र में शरद पवार कुछ बदले अंदाज में दिख रहे हैं। चर्चा हो रही है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) एक हो जाए, हालांकि इन चर्चाओं पर अजित पवार के करीबी प्रफुल्ल पटेल कह चुके हैं कि अभी कोई जरूरत नहीं है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में जिस तरह से अजित पवार और शरद पवार की नजदीकी बढ़ी है। उसके बाद कुछ बड़ा होने की अटकलें लग रही है। कहा जा रहा है कि शरद पवार भाजपा के साथ भी आ सकते हैं। यह सब ऐसे वक्त पर हो रहा है जब वह 12 मई को सीएम फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में भतीजे अजित के साथ बैठे थे।

शरद पवार ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि राहुल गांधी मेहनती हैं लेकिन देश के मौजूदा हालत में माहौल उनके पक्ष में नहीं है, पवार ने राहुल गांधी को जमीन पर और मेहनत करने की सलाह दी थी। इसी इंटरव्यू में उन्होंने अजित पवार के साथ भी कोई कटुता नहीं दिखाई थी। इतना ही नहीं इंडिया गठबंधन के दिग्गज नेताओं में शामिल शरद पवार देश में 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद बनी स्थिति पर चर्चा करने को लेकर संसद सत्र बुलाने की मांग से असहमति व्यक्त कर चुके हैं। एक दिन पहले उन्होंने कहा था कि यह गंभीर मुद्दा है। इसकी चर्चा सर्वदलीय बैठक में हो सकती है। संसद में ठीक नहीं होगा। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या शरद पवार भाजपा के प्रति सॉफ्ट हो गए हैं? पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की कार्रवाई पर वह पूरी तरीके से केंद्र सरकार के साथ खड़े हुए थे।

राजनीतिक पण्डितों का कहना है कि शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भले ही विधानसभा चुनावों में पिछड़ गई थी लेकिन राज्य में अभी कई ऐसे जिले हैं जहां पर एनसीपी के दोनों खेमों को ही स्थानीय स्तर की एपीएमसी और दूसरी बॉडी में दबदबा है। अगर स्थानीय निकाय के चुनावों में दोनों खेमे अलग-अलग रहते हैं तो निश्चित तौर पर यह दबदबा घट सकता है। ऐसे में

चर्चा है कि स्थानीय निकाय चुनावों से पहले भले दोनों ठाकरे बंधु एक साथ न आएं लेकिन पवार अगर चौंका दे तो बड़ी बात नहीं होगी। राजनीतिक के मंझे हुए खिलाड़ी शरद पवार के पास एनसीपी के एक होने के साथ, भाजपा से हाथ मिलाने का भी विकल्प है, हालांकि अगर ऐसा होता है तो बड़ा सियासी धमाका होगा। इससे महाविकास आघाड़ी और महायुति के राजनीतिक समीकरण प्रभावित होंगे। ऐसे में पवार के हर दांव पर इन दिनों महायुति और महाविकास आघाड़ी के नेता पैनी नजर रखे हुए हैं। जानकारों का कहना है कि अगर ऐसा नहीं भी होता है तो एनसीपी के दोनों खेमे साथ मिलकर भी लड़ सकते हैं। कई स्थानों पर उनकी लड़ाई कांग्रेस और भाजपा से है।

यह भी कहा जा रहा है कि एनसीपी का एक धड़ा चाहता है कि अजित पवार और शरद पवार गुट हाथ मिला लें। इस चर्चा के बीच अजित पवार और शरद पवार के बार-बार मंच साझा करने पर उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत भी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि वो (शरद पवार-अजित पवार) तो पहले ही साथ थे, हमें सब दिखता है। अब देखना होगा कि पवार भतीजे के साथ जाकर भाजपा से हाथ मिलाते हैं या फिर दूर रहते हैं, हालांकि फरवरी में जब उन्होंने शिवसेना प्रमुख और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को महादजी शिंदे राष्ट्रीय गौरव अवार्ड से सम्मानित किया था तब भी उद्धव ठाकरे गुट को मिर्ची लगी थी। शरद पवार ने यह सम्मान 18वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन में दिया था। तब शिंदे ने कहा था कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि पवार उन्हें गुगली नहीं फेकेंगे।

ऐसे में सवाल यह है कि अगर शरद पवार अप्रत्याशित फैसला लेते हैं तो फिर कांग्रेस क्या करेगी? सबसे ज्यादा मुश्किल उद्धव ठाकरे के सामने खड़ी होगी क्यों भाजपा को लग रहा है कि मुंबई में अपना मेयर बना सकती है। तो वहीं शिंदे उद्धव गुट को कमजोर करके अपनी ताकत बढ़ाने में लगे हैं। महाराष्ट्र में तमाम बड़े शहरों के उलट सबसे ज्यादा अहमियत बीएमसी चुनावों की मानी जाती है। पिछले काफी सालों पर बीएमसी पर उद्धव गुट का कब्जा है। महाराष्ट्र के राजनीतिक विश्लेषकों की माने तो राजनीति में अनायास कुछ नहीं होता है। शरद पवार और अजित पवार के बीच बढ़ी नजदीकी के अपने मायने हैं। एक होने की चर्चा को खारिज नहीं किया जा सकता है।

रामस्वरूप रावतसरे
जयपुर ,राजस्थान
9828532633

लघुकथा

खेल जो, खो गए विद्यालय में आयोजन था। बच्चों से कहा गया था कि वे अपने माता-पिता को भी लेकर आएं। इस मौके पर एक शिक्षिका, स्टेज पर आई और बोली, आज हम एक खास खेल खेलने जा रहे है, यह सुनकर सभी प्रफुल्लित हो गए। बच्चों के साथ-साथ माता-पिता भी हैरान थे। तभी मंच पर कुछ बच्चे आए– किसी ने लट्टू घुमाया, कोई गिल्ली-डंडा लिए आया, किसी ने रस्सी कूदी, तो किसी ने आम चू बदाम चू... की तुक लगाई। बचपन के वो सारे खेल मंच पर जीवंत हो उठे – लंगड़ी पव्वा, खिला गड़ानी, सितोलिया, छिपा छाई...वगैरह वगैरह भीड़ में बैठा एक पिता – कल्पेश – अचानक आंखें पोंछने लगा। पिता की नम आंखे देख अंकित बोला, पापा, रो क्यों रहे हो? कल्पेश मुस्कराया, क्योंकि मैं भूल गया था कि मेरा भी एक बचपन था... जिसमें न मोबाइल था, न वीडियो गेम... सिर्फ हँसी थी, दोस्ती थी, मिट्टी की सौंधी महक थी... और असली खेल थे। तभी शिक्षिका ने कहा, ये खेल सिर्फ समय बिताने के साधन नहीं थे – ये हमें गिरने के बाद उठना सिखाते थे, दूसरों की बारी का इंतजार करना सिखाते थे, और सबसे जरूरी – साथ रहना सिखाते थे।

अद्भुत आयोजन से पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा।शायद बच्चों को आज... कुछ खोया हुआ फिर से मिल गया था।

Vijay Singh Chouhan

विवादों में उलझी अतिशेष शिक्षक तबादला प्रक्रिया

स्कूल शिक्षा मंत्री के हस्तक्षेप के बाद अतिशेष की प्रक्रिया स्थगित

इंदौर। मप्र के कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी है तो कहीं ये जरूरत से ज्यादा हैं। इसी को देखते हुए शिक्षा विभाग ने तबादले की प्रक्रिया शुरु करने से पहले अतिशेष शिक्षकों को उन स्कूलों में भेजने की योजना बनाई थी जहां शिक्षकों की कमी है। लेकिन, फिलहाल यह प्रक्रिया विवादों में उलझ गई है। जैसे ही प्रदेश के शिक्षा पोर्टल पर लगभग 20,344 शिक्षकों की अतिशेष सूची जारी हुई, शिक्षकों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है।

शिक्षकों का आरोप है कि पोर्टल पर दर्ज जानकारी गलत है और कई शिक्षकों को अतिशेष बताया गया है, जबकि वे अपनी पोस्ट पर हैं। कई जगह सेवानिवृत्त शिक्षक भी अभी पदस्थ बताए जा रहे हैं। इसको देखते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के हस्तक्षेप के बाद अतिशेष शिक्षकों के ट्रांसफर की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया है।

दरअसल, लोक शिक्षण संचालनालय के अफसरों ने आधी-अधूरी तैयारियों के साथ अतिशेष के ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू की थी। स्कूल शिक्षा विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी में सीनियर व जीएडी की ट्रांसफर पॉलिसी में जूनियर को अतिशेष माना जाता है। स्कूल शिक्षा में फिलहाल दस हजार से ज्यादा शिक्षक अतिशेष हैं। स्कूल शिक्षा विभाग में चल रहे ट्रांसफर में अतिशेष शिक्षकों से दूसरे स्कूल में भेजने के लिए आवेदन मांगे गए थे। अधिकांश अतिशेष शिक्षकों ने प्रक्रिया को गलत बताया। कई शिक्षकों ने गलत तरीके से अतिशेष करने के आरोप विभाग पर लगाए। इसके विरोध में राज्य कर्मचारी संघ, शिक्षक संघ समेत कई संगठनों ने विभागीय मंत्री उदय प्रताप सिंह, सचिव स्कूल शिक्षा संजय गोयल व आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता को ज्ञापन सौंपा।

इसके बाद मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने अतिशेष शिक्षकों की प्रक्रिया को स्थगित करने के निर्देश दिए हैं। मप्र शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौड़ का कहना है कि लोक शिक्षण द्वारा मनमाने तरीके से अतिशेष की प्रक्रिया की जा रही थी, जिससे शिक्षकों में भय व्याप्त था। स्कूल शिक्षा मंत्री ने प्रक्रिया को निरस्त करने के दिए निर्देश से शिक्षकों में खुशी है।

एजुकेशन पोर्टल पर गलत जानकारी

जानकारी के अनुसार एजुकेशन पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज होने के कारण विवाद की स्थिति निर्मित हुई है। लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक केके दिवेदी ने सभी संयुक्त संचालक व डीईओ को निर्देश जारी किए हैं, जिसमें कहा गया है कि राज्य स्तर पर लोक सेवकों द्वारा उपस्थित होकर शाला में पदस्थापना दिनांक के परिवर्तन संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए जा रहे है।

उल्लेखनीय है कि एजुकेशन पोर्टल 3.0 में समस्त लोक सेवकों की जानकारी प्रमाणीकरण विकासखंड शिक्षा अधिकारी के स्तर से किया गया है, फिर भी विसंगति की स्थिति है। इसे देखते हुए जिला एवं विकासखंड स्तर पर लोक सेवकों की शाला में पदस्थापना की दिनांक का परीक्षण कर यदि किसी लोक सेवक की पदस्थापना दिनांक में परिवर्तन है, तो तथ्यात्मक दस्तावेज के साथ जानकारी तत्काल उपलब्ध कराएं। संचालक ने निर्देश दिए हैं कि अक्टूबर 2024 से अब तक नियुक्त शिक्षकों के आईडी लंबित होने विषयक नव नियुक्त शिक्षकों द्वारा शाला में कार्यभार ग्रहण कर लिया गया है, लेकिन जिला स्तर से इन शिक्षको के आईडी नहीं बनाने के कारण संबंधित शाला में रिक्त प्रदर्शित हो रही है।

सभी शिक्षकों के आईडी अनिवार्य जनरेट कर यह प्रमाण-पत्र भेजे की सभी शिक्षकों के आईडी जनरेट कर दिये गए हैं। मप्र राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष शिववीर सिंह भदौरिया का कहना है कि लोक शिक्षण संचालनालय की अतिशेष की प्रक्रिया गलत है। पहले पोर्टल में सुधार किया जाना चाहिए। इसके बाद अतिशेष शिक्षकों के दावे-आपत्ति बुलवाना चाहिए, लेकिन विभाग का रवैया मनमाना है। विभागीय मंत्री के प्रक्रिया को स्थगित करने पर आभार व्यक्त करते हैं।

ऑफलाइन जारी आदेशों को ऑनलाइन करने के निर्देश

संचालक निर्देश दिए हैं कि ऐसे माध्यमिक शिक्षक जिनके विषय त्रुटिपूर्ण है, उनके मूल नियुक्ति आदेश, पदोन्नति आदेश, नवीन संवर्ग में नियुक्ति आदेश एवं संबंधित की स्नातक उपाधि की अंक सूची के साथ संयुक्त संचालक को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा तत्काल उपलब्ध कराई जाये। तथा संयुक्त संचालक द्वारा उनके नवीन संवर्ग के संशोधित आदेश जारी किये जाये। तदोपरांत पूर्व का आदेश एवं नवीन संशोधित आदेश के साथ एकजाई सूची संचालनालय को तत्काल उपलब्ध कराई जाये।

उच्च माध्यमिक शिक्षक के संदर्भउल्लेखित आदेश एवं स्नातकोत्तर की अंकसूची के साथ संचालनालय को प्रस्ताव प्रेषित किया जाये। संचालक के जारी निर्देशों में कहा गया है कि उच्च पद प्रभार-संयुक्त संचालक के स्तर से ऑफलाइन जारी किये गये समस्त आदेशों की ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे।

बावजूद इसके संयुक्त संचालक के स्तर से प्रविष्टि नहीं की गई है। ऐसे अधिकांश प्रकरण भोपाल एवं ग्वालियर संभाग के सामने आये हैं। सभी संयुक्त संचालक ऐसे लोक सेवक जिनकी ऑनलाइन प्रविष्टि उच्च पद प्रभार के रूप में नहीं की गई है, उसकी जानकारी एक्सेल फार्मेट के साथ हस्ताक्षारित प्रति तत्काल भेजी जाए। इसके साथ ही उर्दू विषय के शिक्षकों, शालाओं से कार्यमुक्त किए गए जन शिक्षकों विषय के संबंध में निर्देश दिए है।

अजय गणेश चौधरी ने तिरंगा यात्रा में भागीदारी की

इंदौर। भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम अतुलनीय है ऑपरेशन सिंदूर में नभ ,थल, और जल में अपने शौर्य की पताका फहराने वाले भारत राष्ट्र सेना के वीर जवानों के सम्मान में, हाथ में तिरंगा और दिल में राष्ट्र प्रेम की भावनाओं को लेकर द्रुमध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ भाजपा मंडल और मोर्चापदाधिकारी के नेतृत्व में बड़ा गणपति से राजबाड़ा तक, निकली विशालतिरंगा यात्रा में, एडवोकेट एवं मध्य प्रदेश कुर्मी समाज युवा संगठन के प्रदेश सचिव अजय गणेश चौधरी, पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता रुपेश कटारिया, इंजीनियर सौरभ महतो पटेल, एडवोकेट कमल पटेल, एडवोकेट विजय चौधरी, एडवोकेट श्याम कश्यप, एडवोकेट। लीलम कुमार डोहरिया, संस्था स्प्रेडिंग स्माइल के अध्यक्ष पत्रकार राहुल कांतिलाल लोदवाल , मध्य प्रदेश बेरवा समाज जागृति मंच के प्रदेश सचिव पत्रकार अनिकेत सतीश कारोले , भाजपा नेता मनोज सालवी ÷मामा÷, नरेश पंसारी गुप्ता,राजा डोरिया एवं पियूष डोरिया,बड़ी संख्या में अपने समाज और सामाजिक क्षेत्र संगठन के पदाधिकारी के साथ उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

शौर्य तिरंगा यात्रा का स्वागत

इंदौर। भारतीय सेना के सम्मान में शौर्य तिरंगा यात्रा का स्वागत क्षेत्र क्रमांक 3 के विधायक गोलू शुक्ला के नेतृत्व में संस्था निर्भया द्वारा माधुरी जायसवाल, दीपा गौड, राधा कुशवाह, कीर्ति बमरकर, शीतल नरवरिया,भूपेंद्र अडसूले, सौरभ मोदी, प्रदीप मोठ, विजय मोठ, आयुषी, दामिनी, पुष्पा पांडे, परमजीत कौर ने किया।

इस अवसर तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्य मित्र भार्गव, मंत्री तुलसी सिलावट , विधायक गोलू शुक्ला कई संस्थाओं के गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

देपालपुर के लक्ष्य मेहता ने 12वीं में 92 प्रतिशत अंक लाकर किया क्षेत्र का नाम रोशन

देपालपुर। नगर के होनहार छात्र लक्ष्य मेहता ने सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक अर्जित कर मेहता परिवार और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

ह्यूमैनिटीज संकाय के छात्र लक्ष्य ने मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, अंग्रेज़ी कोर और उद्यमिता विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। लक्ष्य, सौरभ मेहता के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों को दिया। लक्ष्य का अगला लक्ष्य यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर आईपीएस अधिकारी बनना है।

म.प्र. शासन के पूर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा के पुत्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त

इन्दौर। अखिल भारतीय दलित अल्पसंख्यक पिछड़ावर्ग संगठन के राष्ट्रीय प्रमुख एवं राहुल-प्रियंका गांधी सेना कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तारीक खान, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता औबेदुल्लाह खान आजमी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, जगदीश शर्मा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेन्द्र कुमारसिंह, राष्ट्रीय सचिव अनिल लालबहादुर शास्त्री, इमरान किदवई, एडवोकेट पंकज गुप्ते, प्रवीण रावल, दानिश खान, जितेन्द्र पाटील, फय्याज मंसूरी, रजाक पठान, महेन्द्र यादव, देवेन्द्रसिंह यादव, कमर अली, रजा खान, उबेद खान, काशिब खान, फैजान खान सहित कई वरिष्ठ समाजसेवी, बुद्धिजीवी एंव रचनात्मक संगठनों के वरिष्ठजनों ने पूर्व मंत्री, म.प्र. शासन, सज्जनसिंह वर्मा के पुत्र गगन वर्मा के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृत आत्मा के प्रति श्रद्धांजली व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थ करते है कि मत आत्मा को शांति प्रदान करें।

संस्मरण केवल विवरण नहीं जीवनानुभवों का विश्लेषण है

इंदौर। श्री मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति में सृजन विविधा में डॉअखिलेष राव ने संस्मरण विधा पर विशेष व्याख्यान देते हुए कहा इसे गद्य की महत्वपूर्ण विधा निरूपित करते हुए उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर, रेणु, महादेवी, हजारी प्रसादजी, धर्मवीर भारती, सारा राय के रॉअम्बर नीलाक्षी सिंह के हुकुम देश का इक्का खोटा जैसे संस्मरणों की धारणाएँ व विशेषताओं पर चर्चा की।

दूसरे सत्र में डॉ विजय गुप्ता, सुनील शर्मा मुरारी चौधरी ने कविता पाठ किया, दिलीप नीमा ने लघुकथा योग संयोग का वाचन किया, मुस्कान राज ने मुझसे मिलकर प्रेम कितनी बार रोया कविता और पूजा राज ने पिता पर पापा मेरा गुरूर है कविता पढ़ी। सुरेखा सिसोदिया, शीला चंदन ने गजल अब तो संभालकर चल इश्क की गलियों में पढ़ी, सुब्रतो बोस ने इतना गमगीन शमा ये सफर है तन्हा पढ़ी। दिनेश तिवारी उपवन ने समय आता है चला जाता है÷ जीवनदर्शन पर रचना पढ़ी।

किरण पांचाल, राधिका इंगले उपासना गुप्ता, सुधा चौहान, आरती दुबे ने भी रचना पाठ किया। संयोजक डॉ पद्मा सिंह ने संचालन किया और आभार, राजेश शर्माने माना। कार्यक्रम में डॉ अशोक सचदेवा, अरविंद ओझा, पुष्पेंद्र दुबे, घनश्याम यादव आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

इंदौर में जियो की 5G डाउनलोड स्पीड सबसे ज्यादा- ट्राई

इंदौर। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा मार्च 2025 में आयोजित स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट के अनुसार, रिलायंस जियो ने इंदौर में 5त्र डाउनलोड स्पीड के मामले में सभी प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है। ट्राई के आंकड़ो के मुताबिक रिलायंस जियो ने इंदौर में औसतन 254.35 Mbps की डाउनलोड स्पीड प्रदान की है, जो अन्य टेलीकॉम ऑपरेटरों में सबसे ज्यादा है। जियो की नेटवर्क लेटेंसी बेहद कम है, जो वीडियो कॉल, वर्चुअल मीटिंग्स और ऑनलाइन गेमिंग जैसे रियल-टाइम एप्लिकेशनों के लिए महत्वपूर्ण है। जियो ने कॉल सेटअप सफलता दर, तेज़ कॉल कनेक्शन समय, नगण्य कॉल ड्रॉप्स और उच्च गुणवत्ता वाली वॉयस क्लैरिटी के मामले में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट नागपुर, मुंबई, अंबाला, चेन्नई, श्रीनगर, प्रयागराज और इंदौर शहर में किया गया था। इंदौर में ड्राइव टेस्ट 23 मार्च 2025 से 29 मार्च 2025 तक शहर के सभी प्रमुख क्षेत्रों, आवासीय क्षेत्रों, ट्रैफिक-भरी सड़कों और पैदल यात्री क्षेत्र में आयोजित किया गया था। जियो की घनी और सुव्यवस्थित नेटवर्क संरचना ने इन सभी क्षेत्रों में उच्च प्रदर्शन सुनिश्चित किया।

लविश टटवाडे की प्रथम पुण्यतिथि पर खिचड़ी वितरण

इंदौर। आज स्वर्गीय लविश टटवाड़े की प्रथम पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि स्वरूप खिचड़ी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन श्रमिक बस्ती और एमवाय हॉस्पिटल में सम्पन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों को भोजन वितरित किया गया। गंभीर बीमारी के चलते पिछले वर्ष लविश टटवाडे का आकस्मिक निधन हो गया था। उनके आत्मीय स्मरण और समाज सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए उनके परिवारजनों और मित्रों द्वारा यह सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर दिव्यांश टटवाड़े, मयंक लोदवाल, सुमित लोदवाल, आकाश बड़गोत्या, जतीन बेथैड़ा, निखिल संकत, कन्हैया रमनवाल, यश धवन, कनिष्क, मयंक जाटव, निकुंज लोदवाल, कुणाल, राहुल लोदवाल सहित अन्य साथी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। सभी ने मिलकर लविश भाई को श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके सेवा भाव को याद किया।

झलकारी बाई को राष्ट्रीय वीरांगना घोषित किया जाए

इन्दौर । स्वतंत्रता संग्राम की अमर शहीद नायिका वीरांगना झलकारीबाई की प्रतिमा अन्नपूर्णा रोड़ स्थित दशहरा मैदान ग्राउंड के कार्नर पर लगाये जाने की मांग को लेकर किए जा रहे प्रयास एवं महापौर, विधायक, सांसद एवं क्षेत्रीय पार्षद से मिले आश्वासन के बाद अब अखिल भारतीय वीरांगना झलकारी महासंघ ने वीरांगना झलकारी बाई को राष्ट्रीय वीरांगना के रूप में पहचान दिलाने और इतिहास के पन्नों में स्थापित कराने की मांग को भी जोड़ते हुए और ताकत के साथ अपनी 28 साल पुरानी मांग पर सक्रिय हो चुका है। महासंघ की मांग के समर्थन में कोली / कोरी समाज के 15 से अधिक सामाजिक संगठनों ने अपनी स्वीकृति एवं अनुशंसा पत्र महासंघ को प्रेषित कर दिए है। इन सभी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ ही समाज के प्रबुद्धजनों की अतिआवश्यक सामूहिक बैठक दिनांक 18 मई 2025 रविवार को प्रस्तावित वीरांगना झलकारी प्रतिमा स्थल

झलकारीबाई के प्रस्तावित प्रतिमा स्थल दशहरा मैदान पर 18 मई को होगी कोली/कोरी समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों की वृहद बैठक

दशहरा मैदान ग्राउंड पर दोपहर 12.00 बजे आहुत की गई है। उक्त जानकारी देते हुए अखिल भारतीय वीरांगना झलकारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश महावर कोली, राष्ट्रीय महासचिव दिनेश वर्मा दानिश, मालवा प्रांताध्यक्ष ईश्वर लाल सनोटिया एवं सम्भागीय अध्यक्ष ओमप्रकाश धीमान ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम की प्रथम अमर शहीद नायिका एवं कोली/कोरी समाज की वीरांगना झलकारी बाई ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के कंधे से कंधा मिलाकर फिरंगी अंग्रेज दुश्मनों से लोहा लिया, लेकिन विडम्बना यह है कि झांसी और झांसी की रानी के प्रति त्याग, तपस्या, समर्पण और अपने प्राणों की आहुति देने वाली वीरांगना झलकारीबाई को इतिहास के पन्नों में वह स्थान नहीं मिल पाया जिसकी वह हकदार थीं।

कार्टून कोना..........

आईडीए ने बदली स्पोर्ट काम्प्लेक्स की योजना, बनेगा एस्ट्रोटर्फ

इन्दौर। पिपल्याहाना चौराहा के पास स्पोर्ट काम्प्लेक्स की जमीन पर इदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) ने दो पूर्ण लंबाई वाले हाकी और फुटबाल मैदान विकसित करने की अपनी योजना बदल दी है अब वहां हाकी और फुटबाल के फूल कोर्ट बनाने के बजाय प्रेक्टिस के लिए एस्ट्रोटर्फ बनाए जाएंगे।

जिस पर हाकी के खिलाड़ी प्रेक्टिस कर सकेंगे। इसके अलावा लान टेनिस, बेडमिंटन और बास्केटबाल के एक से अधिक कोर्ट भी यहां बनाए जाएंगे जिसके चलते यहां एक साथ कई स्पोर्ट गतिविधियां संचालित होने के साथ खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। आईडीए ने योजना में यह बदलाव जमीन की उपलब्धता कम होने के कारण किया है। आइडीए अब लान टेनिस, बैडमिंटन और बास्केटबाल कोर्ट विकसित करेगा। स्विमिंग पूल के पास उपलब्ध जमीन पर आइडीए खेल काम्प्लेक्स बनाने जा रहा है। इसकी योजना तैयार होने के बाद अब निर्माण के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाएगी।

आइडीए सीईओ आरपी अहिरवार का कहना है कि पूर्ण लंबाई वाले हाकी और फुटबाल मैदानों के लिए जमीन उपलब्ध नहीं है, इसलिए अन्य खेल गतिविधियों की सुविधाएं तैयार की जाएंगी। इसके निर्माण की तैयारी आइडीए ने शुरू कर दी है, जल्द ही एजेसी नियुक्त कर काम शुरू किया जाएगा।

संपदा 2.0 पोर्टल बंद होने के चलते पंजीयन कार्यालय खोलने के आदेश पर नाराज़ अधिकारियों कर्मचारियों और वकीलों ने लिखा पत्र

इन्दौर। पंजीयन विभाग ने संपदा-2.0 पोर्टल पर सर्वर की परेशानी के चलते आ रही पंजीयन समस्या के निराकरण हेतु प्रत्येक शनिवार को भी कार्यालय खोलने के आदेश जारी कर दिए जिसका वकीलों और पंजीयन कार्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों ने विरोध करते महानिरीक्षक पंजीयन को पत्र लिखकर मांग की है कि शनिवार के कार्यालय खोलने के इस आदेश को तुरंत रद्द कर संपदा पोर्टल 2.0 में आ रही समस्या को दूर कर उसे दुरुस्त किया जाए।

महानिरीक्षक पंजीयन को मप्र पंजीयन विभाग अधिकारी-कर्मचारी संघ और पंजीयक कार्यालय अभिभाषक व्यवस्था समिति ने पत्र लिखा है। अभिभाषक व्यवस्था समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार द्विवेदी के अनुसार बार-बार लागइन विफल होने से सिस्टम में कई परेशानी आती है। दस्तावेज अपलोड प्रक्रिया बार-बार रीसेट हो जाती है। इससे रजिस्ट्री की प्रक्रिया में घंटों लगते हैं। इसके समाधान के लिए कई बार विभाग को लिखा गया, लेकिन कोई हल नहीं निकला। उल्टे शनिवार को कार्यालय खुले रखने का आदेश दिया है।

भोपाल में सामने आया हिंदू लव जिहाद का पहला मामला

भोपाल। प्रेम जाल में फांस कर युवतियो पर शादी करने के लिये धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने वाले आरोपियो के खिलाफ मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार ने 2021 में धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक अधिनियम बनाया था। संभवत कानून बनने के बाद से इस विधेयक में अधिकांश मुस्लिम युवक ही आरोपी बने हैं। लेकिन, तीन साल बाद हिंदू लव जिहाद का पहला मामला भोपाल शहर के छोला मंदिर थाने में दर्ज हुआ है।

- खुद को बादल बताया, बनाये शारीरिक संबध, शादी की बात पर बन गया गिरीश

- शादी का दबाव डालने पर बनाया धर्म परिवर्तन का दबाव, महिला ने भी दिया साथ

- दोनो के खिलाफ धार्मिक स्वातंत्र्य संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

इस मामले में आरोपी हिंदू युवक ने मुस्लिम युवती को शादी करने के लिए पहले तो खुद को मुस्लिम बताकर उससे नजदीकियां बढ़ाते हुए शारीरिक शोषण किया बाद में शादी करने के लिये युवती पर हिंदू धर्म अपनाने का दबाव डालने लगा। पुलिस ने आरोपी के साथ ही उसका साथ देने वाली अन्य महिला को भी आरोपी बनाया है। पुलिस सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार 19 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की पहले वह छोला मंदिर इलाके की एक मल्टी में रहती थी। और फिलहाल ईटखेड़ी थाना क्षेत्र में रहती है। सूत्रो से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़िता ने पुलिस को बताया की करीब छह महीने पहले छोला इलाके में रहने के दौरान एक पारिवारिक कार्यक्रम में उसकी पहचान वहीं रहने वाले आरोपी युवक से हुई थी।

उस समय आरोपी ने खुद को मुस्लिम बताते हुए बादल बताया था। जबकि उसका नाम गिरीश सोनी उर्फ बादल सोनी है। युवती को लगा कि वह मुस्लिम समाज का है। जल्द ही उनके बीच दोस्ती और फिर प्रेम प्रसंग शुरु हो गया। आरोपी गिरीश सोनी उर्फ बादल ने उसे 15 अक्टूबर, 2024 को बहाने से भानपुर स्थित मल्टी पर मिलने के लिये बुलाया। युवती के पहुंचने पर आरोपी ने उसे शादी करने का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बना डाले। इसके बाद वह जल्द शादी करने की बात कहकर लगातार पीड़िता का शारीरिक शोषण करता रहा। इस बीच युवती ने उस पर शादी करने का दबाव डालना शुरु किया। पहले तो आरोपी उसे बहानेबाजी कर टालता रहा लेकिन अधिक दबाव बनाने पर उसने पीड़िता से कहा की वह मुस्लिम नहीं हैं।

वह हिंदू समाज से आता है। और वह उसके साथ तभी शादी करेगा जब वह उसका धर्म अपना लेगी। इस पर पीड़िता ने उसे काफी समझाया लेकिन जब वह नहीं माना तब युवती पुलिस के पास पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी बादल के खिलाफ दुष्कर्म व धार्मिक स्वातंत्र्य संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया। वहीं अपनी शिकायत में पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया की आरोपी बादल सोनी की मदद भारती सोनी नामक महिला ने की थी, जिस पर पुलिस ने बादल सहित भारती सोनी को भी प्रकरण में आरोपी बनाया है। पुलिस सूत्रों की मानी जाये तो आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

मेट्रोपॉलिटिन सिटी के गठन की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहामेट्रोपोलिटिन एरिया में बड़ी पंचायतें बनेंगी नगर परिषद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रस्तावित भोपाल और इंदौर मेट्रोपॉलिटिन एरिया के दायरे में आने वाले नगरीय निकायों को हर तरह से मजबूत किया जाए। इन नगरीय निकायों की प्रशासनिक क्षमता और दक्षता को भी विकसित किया जाए। साथ ही आर्थिक मजबूती देने और आर्थिक रूप से बूस्ट किया जाए। ये निकाय आपसी समन्वय से आधारभूत सुविधाएं अपने क्षेत्र में विकसित करें। उन्होंने कहा कि ऐसी पंचायतें जिन्हें नगर परिषद बनाया जा सकता है उन्हें नगर परिषद बनाया जाए।

सीएम यादव ने ये बातें भोपाल और इंदौर मेट्रोपॉलिटिन एरिया को लेकर शनिवार को बुलाई गई बैठक में कहीं। अफसरों ने मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप मप्र मेटोपॉलिटिन क्षेत्र नियोजन और विकास अधिनियम 2025 में शामिल प्रस्तावों के बारे में जानकारी दी। अधिनियम विधानसभा के मानसून सत्र में लाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों से यह भी कहा कि दोनों ही मेट्रोपॉलिटिन एरिया के विकास के लिए समग्र विकास के प्रस्ताव बनाएं और लार्जर एरिया में सीवेज, वाटर सप्लाई, यातायात समेत अन्य सुविधाएं वृहद रूप से विकसित करें।

सीएम ने देखा प्रजेंटेशन-मुख्यमंत्री ने दोनों ही मेट्रोपोलिटिन एरिया के प्रजेंटेशन देखे। मेट्रोपॉलिटिन सिटी एरिया के गठन को लेकर आयोजित बैठक में भोपाल और इंदौर के साथ मेट्रोपॉलिटिन एरिया में जोड़े जाने वाले शहरी और ग्रामीण इलाकों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, संजय शुक्ल, प्रमुख सचिव पंचायत और ग्रामीण विकास दीपाली रस्तोगी समेत अन्य अधिकारी शामिल रहे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इसके पहले ली गई मेट्रोपॉलिटन एरिया गठन संबंधी बैठक में कहा था कि अच्छे टाउन प्लानर्स को सरकार के कामकाज से जोड़ा जाए। प्रदेश के सभी नगरों में चल रहे सीवरेज प्रोजेक्ट्स जल्द से जल्द पूरे किए जायें। सीवरेज के लिए स्थायी प्रकृति के काम हों। शहरों के वेस्ट वाटर का नदियों में निस्तारण (डिस्पोजल) न होने पाए। इससे हमारी नदियां प्रदूषित होने से बचेंगी। सॉलिड वेस्ट के साथ लिक्विड वेस्ट (गंदा पानी) के समुचित निस्तारण पर भी विशेष ध्यान देकर प्रभावी कार्यवाही की जाए।

भोपाल कमिश्नर ने दो दिन पहले ली बैठक-भोपाल मेट्रोपॉलिटन सिटी में भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर और राजगढ़ को मिलाकर मेट्रोपोलिटन सिटी बनाने का काम होना है। इसके लिए 14 महीने में पांचों जिलों का सर्वे करने के साथ रीजनल डेवलपमेंट एंड इंवेस्टमेंट प्लान बनाया जाएगा। इस प्लान के आधार पर भोपाल को मेट्रोपोलिटन सिटी बनाया जाना है। संभागायुक्त भोपाल ने पांचों जिलों के कलेक्टर्स की मौजूदगी में बीडीए के सीईओ श्यामवीर सिंह ने प्रजेंटेशन दिया। यह पांच जिलों के आठ हजार वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को कवर करेगा जिसमें भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर और राजगढ़ शामिल किया गया है। इन जिलों को जोडने् से महानगर की आबादी 35 लाख हो जाएगी। इसके लिए चार स्टेज में काम किया जाएगा। पहले चरण में टीम का गठन, सर्वे, बैठकें आयोजित कर अमलीजामा पहनाना, वर्क प्लान फाइनल करना, सभी विभागों का सर्वे अपने अपने एरिया में करना और विधानसभावार 18 विभागों का डेटा जुटाने का काम किया जाएगा।

जिला चिकित्सालय में आउटसोर्स कर्मचारी कई दिनों से हड़ताल पर बैठे

झाबुआ। जिला चिकित्सालय में आउटसोर्स कर्मचारी कई दिनों से हड़ताल पर बैठे हुए हैं लेकिन झाबुआ जिले के जनप्रतिनिधि, मंत्री, विधायक ने अभी तक समाधान निकालने के बजाय चुप्पी साथ रखी, अब तो इनकी समाधान को निकालने के लिए शासन प्रशासन को ध्यान देना चाहिए। नहीं तो यह कर्मचारी किससे अपनी आस लगाए, कोई इनकी समाधान निकालने की बात या आश्वासन देता दिखाई दूर तक दिखाई नहीं दे रहा है।

झाबुआ जिले के जनप्रतिनिधि मंत्री विधायक चुप क्यों....?

शासन प्रशासन को ध्यान देना चाहिए...

सिएमएचओ आउटसोर्स कर्मचारी को बोल रहा काम करो नही तो काम से निकलवा दूंगा ऐसी धमकी दे रहे

सिएमएचओ आउटसोर्स कर्मचारी को बोल रहा काम करो नहीं तो काम से निकलवा दूंगा ऐसी धमकी दे रहे।

जयस जिलाध्यक्ष विजय? डामोर ने कहा कि सुरभी सिक्योरिटी सर्विस नाम से फर्म है झाबुआ जिला चिकित्सालय में आउटसोर्स कर्मचारी कई दिनों से हड़ताल पर बैठे हैं जिसका टेंडर हुआ सुरभि सिक्यूरिटी सर्विस ठेकेदार द्वारा लेकिन वह इन आउटसोर्स कर्मचारियों को टाइम पर सैलरी नहीं देता पिछले 4 महीने से आउटसोर्स कर्मचारी जिला चिकित्सालय में साफ सफाई करने वाले फोर्थ कर्मचारी सैलरी ठेकेदार द्वारा नहीं दी जा रही है।

जयस जिलाध्यक्ष विजय? डामोर ने आगे बताया कि पिछले 4 महीने की जिला चिकित्सालय सहित झाबुआ जिले में 6 ब्लॉक में चिकित्सालय सरकारी हैं उन सभी जगह पर यही हाल है झाबुआ, राणापुर, रामा, पेटलावद, मेघनगर,थांदला, काकनवानी, कल्याणपूरा, पिटोल, कुंदनपुर,रायपुरिया, पारा, सारंगी उन सभी जगहों पर सुरभि सिक्योरिटी सर्विस नाम का फर्म है उस फर्म के अंडर में आउटसोर्स के कर्मचारी काम कर रहे हैं लेकिन पिछले 4 महीने से उनका वेतन नहीं दिया गया है उस सभी आउटसोर्स कर्मचारी की सैलरी नहीं दी जा रही है, सिएमएचओ को बताया तो सिएमएचओ आउटसोर्स कर्मचारी को बोल रहा काम करो नहीं तो काम से निकलवा दूंगा ऐसी धमकी दे रहे।

आउटसोर्स बंद करो सरकार को वैकेंसी निकालना चाहिए...

विजय ने आगे कहा कि आउटसोर्स कर्मचारी ने कलेक्टर मैडम को आवेदन ज्ञापन भी दिया लेकिन अभी तक कोई कारवाई नहीं हुई ऐसे टेंडर का लाइसेंस निरस्त किया जाय कलेक्टर से निवेदन है जिला चिकित्सालय झाबुआ में कर्मचारियों को वेतन दिया जाए ओर सीएमएचओ की मिली भगत से ठेकेदार मजदूरों को उनका वेतन नहीं दे रहा है सीएमएचओ पर भी कारवाई की जाए गरीब मजदूरों को वेतन नहीं दिया जा रहा है।

शासन प्रशासन से कहना चाहते हैं आउटसोर्स बंद करो सरकार को वैकेंसी निकालना चाहिए पढ़े लिखे युवा दर? दर की ठोकर खा रहे हैं उनको नौकरी दी जाय ठेकेदार के अंडर में काम करना पड़ रहा है।

सेवा सुनिश्चितता के लिए अतिथि विद्वानों ने लिखा मुख्यमंत्री को पोस्ट कार्ड

झाबुआ। आज पीएम कॉलेज आफ़ एक्सीलेंस झाबुआ सहित जिलेभर के महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि विद्वानों ने प्रदेश के मुखिया डॉ.मोहन यादव को पोस्ट कार्ड लिखकर हरियाणा राज्य की तर्ज पर सेवा सुनिश्चितता करने की बात कही है।

हरियाणा की तर्ज मांगी भविष्य सुरक्षा

अतिथि विद्वान पंचायत की घोषणाएं अब तक अधर में

घोषणाएं अब तक अधर में

अतिथि विद्वान शंकरलाल खरवाडिया, डॉ.प्रवेश जाटव, डॉ.कृतिका श्रीवास्तव, डॉ.मुकेश डामोर, डॉ. भेरू सिंह सिगांड, रितेश तंवर, डॉ.सपना जोशी, किरण सिंघल, मनोज अवस्या ने कहा कि बीजेपी शासित हरियाणा में 14 नवंबर 2024 को अतिथि प्राध्यापक सेवा सुनिश्चितता विधेयक विधानसभा में पारित कर दिया गया है। उन्हें 57700 रूपए मूल वेतन, डीए, अवकाश आदि की सुविधाएं दे दी गई है। ऐसा निर्णय देश के कई अन्य राज्य भी ले चुकें हैं।

वास्तव में कालखंड दर पर प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सन 2002 से वर्तमान तक अतिथि विद्वान व्यवस्था जीवित है। वर्तमान में 4700 के लगभग अतिथि विद्वान कार्यरत हैं।

पूर्व शिवराज सरकार में वर्तमान सीएम डॉ.मोहन यादव के उच्च शिक्षा मंत्री रहते 11 सितंबर 2023 को सीएम निवास भोपाल में आयोजित अतिथि विद्वान पंचायत में की गई घोषणाओं में भविष्य सुरक्षा, 50 हजार फिक्स वेतन और फॉलेन नहीं करना, शासन का अंग मानना आदि घोषणाएं अब तक अधूरी है।

ज्यादा अनुभव वाले के साथ छलावा...

सहायक प्राध्यापक परीक्षा में भी हुआ छलावा कर रखा है जैसे इनको पीएससी से आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा 2017 में 400 अंको की परीक्षा में अधिकतम 5 वर्ष अनुभव के मात्र 20 अंक, 2022 की 900 अंको की परीक्षा में अनुभव के 20 अंक और आगामी 2024 की परीक्षा में 25 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण भी 20 वर्ष अनुभवधारी को और एक वर्ष (4 अंक) अनुभवधारी को एक समान लाभ दिया जा रहा है। जो एक तरह से ज्यादा अनुभव वाले के साथ छलावा है।

अधेड़ उम्र होने से अन्य रोजगार मिलना मुश्किल हो गया...

इस संबंध में मध्य प्रदेश अतिथि विद्वान नियमितीकरण संघर्ष मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी शंकरलाल खरवाडिया ने बताया कि अधेड़ उम्र होने से अन्य रोजगार मिलना मुश्किल हो गया है। लगभग अतिथि विद्वान यूजीसी की अनिवार्य शर्तें पूरी करते हैं। इसलिए मोहन सरकार को भी हरियाणा की तर्ज पर हमारी सेवा सुनिश्चितता विधेयक विधानसभा से पारित कर देना चाहिए। पोस्ट कार्ड भेजने वाले अतिथि विद्वानों में शंकरलाल खरवाडिया, डॉ. प्रवेश जाटव, डॉ.कृतिका श्रीवास्तव, डॉ.मुकेश डामोर, डॉ. भेरू सिंह सिगांड, रितेश तंवर, डॉ.सपना जोशी, किरण सिंघल, मनोज अवस्या आदि मौजूद थे।

कांग्रेस ने फूंका डिप्टी सीएम का पुतला

झाबुआ। शनिवार को झाबुआ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और वन मंत्री विजय शाह का पुतला दहन किया। इससे पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक रैली निकाली और जमकर नारेबाजी करते हुए भाजपा सरकार पर सेना के अपमान का आरोप लगाया। कांग्रेस ने यह विरोध प्रदर्शन भाजपा नेताओं के सेना को लेकर दिए गए विवादित बयानों के खिलाफ किया।

सेना पर विवाविद बयान का विरोध....

पुतले को लेकर... पुलिस ओर नेताओं में चली रस्सा कसी

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की व कहा कि विवाद की शुरुआत मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए आपत्तिजनक बयान से हुई। उन्होंने महू में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि जिन लोगों (आतंकियों) ने हमारी बेटियों का सिंदूर उजाड़ा था, मोदी जी ने उन्हीं की बहन भेजकर उनकी ऐसी की तैसी करा दी। इस आपत्तिजनक बयान को लेकर एमपी हाईकोर्ट के आदेश पर मंत्री विजय शाह के खिलाफ इंदौर के मानपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। वही आगे बताया कि शुक्रवार को जबलपुर में सिविल डिफेंस वालंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने भी विवादित बयान दे डाला। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहेंगेज और पूरा देश, देश की वो सेना, वो सैनिकज उनके चरणों में नतमस्तक है। पुतले को लेकर पुलिस ओर नेताओं में चली रस्सा कसी भी खूब रही।

ऑटो में सफर के दौरान सूटकेस से साढे तीन लाख के जेवरात चोरी

भोपाल। कमला नगर थाना इलाके में ऑटो में सफर के दौरान ही अज्ञात बदमाश ने महिला के सूटकेस में रखे साढे तीन लाख रुपए के जेवरात चोरी कर लिए। महिला रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से अपने घर ऑटो से लौट रही थी। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस कायम कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक अम्बेडकर नगर में रहने वाली दुर्गा देवी ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की उनका ससुराल सतना में हैं। बीते दिनो वह ससुराल गई थी और बीती 16 मई की सुबह भोपाल ट्रेन से वापस आई थी। महिला ने एक ऑटो अपने घर जाने के लिए किया था। महिला के साथ उनकी मां और बेटी भी थी। ऑटो में सवार होकर वह अपने घर लौटी तो देखा कि सूटकेस में रखे करीब साढ़े तीन लाख के सोने के जेवरात गायब हैं। इसके बाद महिला ने अपने परिजनों के साथ ऑटो को तलाशने का काफी प्रयास किया, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला।

मारपीट कर जाति सूचक शब्दों से किया अपमानित, पुलिस ने किया प्रकरण दर्ज

जावरा। खेत के विवाद में पटवारी व चौकीदार द्वारा पंचनामा बनाए जाने के बाद हुए विवाद में ग्राम रिछागुर्जर के दो लोगों के साथ मारपीट करने और जाति सूचना शब्दों से अपमानित करने के मामले में पुलिस ने दो लोगों पर प्रकरण दर्ज किया हैं। जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने व मारपीट करने की सूचना मिलने पर रिंगनोद थाने पर समाजजन एकत्रित हुए और आरोपियों पर प्रकरण दर्ज करवाने की मांग की।

रिंगनोद थाने से मिली जानकारी अनुसार फरियादी रामेश्वर पिता भगवान सुर्यवंशी जाति चमार (62) निवासी रिछागुर्जर ने दशरथ तथा मुकेश के रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 16 मई 2025 के दोपहर करीब 3 बजे पटवारी दिनेश आंजना ने हमको हमारे खेत पर पंचनामा बनाने के लिये बुलाया तो में तथा मेरा लडका दशरथ दोनो मार्तण्डगंज रोड पर स्थित खेत पर गये तो वहा पर पटवारी तथा चौकीदार फारुख खाँन उपस्थित थे। मोके पर पीरुलाल गुर्जर, सुरेश गुर्जर, करण गुर्जर तथा अर्जुन गुर्जर भी थे मोके पर पटवारी ने पंचनामा बनाने बाद पटवार, चौकीदार के साथ पीरुलाल, अर्जुन वहा से निकल गये तथा सुरेश व करण गुर्जर वही पर थे। जिस पर दोपहर 3 बजे फरियादी व उसका लड़का दशरथ वापस जाने लगे इतने सुरेश पिता मांगीलाल गुर्जर निवासी रिछागुर्जर ने दशरथ सुर्यवंशी को पत्थर मारा तथा इतने में सुरेश का भाणेज करण गुर्जर निवासी दाहखेडा का सुरेश के साथ दोडकर आया और मुझे तथा मेरे लडके दशरथ को गिरा दिया दोनो ने हमारे साथ लात घुसो से मारपीट की तथा मुझे तथा मेरे लडके दशरथ को सुरेश व करण को जाति सूचना शब्दों से अपमानित किया तथा गालिया देने लगे।

पुलिस ने दर्ज किया एससी एसटी एक्ट में प्रकरण -

फरियादी की रिपोर्ट पर रिंगनोद थाने पर पुलिस ने आरोपी सुरेश गुर्जर पिता मांगीलाल गुर्जर निवासी रिछागुर्जर तथा करण गुर्जर निवासी दाहखेड़ा पर बीएनएस की धारा 115 (2), 296, 351 (3), 3(5) के साथ अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धारा 3(1) (द), 3 (1) (घ), 3 (2) (वीए) के तहत प्रकरण दर्ज किया हैं।

भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस पर संपूर्ण देश को गर्व है - जिला अध्यक्ष भुरीया

झाबुआ। भारतीय सेना द्वारा आतंकियों के विरूद्ध की गई ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए शनिवार को शहर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सैनिकों के प्रति

आभार व्यक्त करने के लिए भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई

राजवाड़ा से तिरंगा यात्रा की शुरूआत की

उक्त जानकारी देते हुए जिला भाजपा मीडिया प्रभारी योगेन्द्र नाहर ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष भानु भुरिया प्रदेशा अध्यक्ष, कलसिंह भाबर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लक्ष्मण नायक, ओमप्रकाश शर्मा, पुर्व सांसद गुमानसिंह डामोर, पुर्व जिला अध्यक्ष दौलत भावसार, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष कुलदीप चोहान, मंडल अध्यक्ष अंकुर पाठक, सत्येन्द्र यादव, राजवाड़ा से प्रारंभ हुई भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

उन्होंने इस अवसर पर कहा की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सेना ने पाकिस्तान में दाखिल होकर दुश्मनों से बदला लिया। भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस पर संपूर्ण देश को गर्व है । ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं ने साहस और शौर्य के प्रमाण दिए हैं। हमनें एक जुट होकर विश्व को यह संदेश दिया कि दुश्मन कितना ही चालाक क्यों न हो हम अपनी एकता को अक्षुण रखेंगे । राष्ट्रीय एकता सर्वोपरी है इसे यदि शत्रु ने हानि पहुचानें की कोशिश की तो उसे मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा । आज फिर से हमारी सेना ने वही शौर्य और पराक्रम दिखाया है ।

भाजपा जिलाध्यक्ष भानु भुरिया, कलसिंह भाबर, गुमान सिंह डामोर ,लक्ष्मण सिंह नायक, दौलत भावसार, औमप्रकाश शर्मा,ने राष्ट्र की वेदी पर अपने चिराग न्योछावर करने वाले शहीदों के परिवार जनों को प्रणाम किया । उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे देश कि आन-बान और शान है इसकी मर्यादा का सदैव ध्यान रखें। वक्ताओं ने कहा कि लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है कि हम सभी भारतीय एक जुट हो कर समय आने पर देश कि रक्षा के लिए सर्वस्व बलिदान कर सकते है ।

इस भव्य तिरंगा यात्रा में शहिदों के परिजन पुर्व सैनिक, नाथु सिंह कामलिया, मुरारी लाल आमचा, का विजय स्तंभ पर शाल, श्री फल, एवं पुष्पमाला से सम्मान किया गया इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष बिट्टू सिंगार, पंडित गणेश उपाध्याय, सामाजिक महासंघ के निरज राठौड़, प्रोफेसर के के त्रिवेदी, सुरेश कांठी, राजु थापा, शांतीबेन, वसुनिया, स्वुट गोस्वामी, आशीष डोसी,सहित सैकड़ों अनेकों सामाजिक संगठनों, बढ़-चढ़ कर सहभागिता की।

भव्य, एवं ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा शहर के मध्य राजवाड़ा से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों, गोवर्धन नाथ मंदिर आजाद चौक,बाबेल चौराहे, फव्वारा चौक होते हुए, विजय स्तंभ पर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान देश भक्ति के गीतों कि भावविभोर प्रस्तुतियां दी गई। सभी धर्म और समाज के लोगों ने देश भक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना से ओत-प्रोत होकर उत्साह पूर्ण माहौल में यात्रा में सहभागिता की। विभिन्न स्थानों पर बनाएं गये स्वागत मंच के द्वारा यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

महिला कांग्रेस ने मंत्री विजय शाह के इस्तीफे की मांग की

रतलाम। शनिवार को अलकापुरी चौराहा स्थित भारत माता उद्यान पर महिला कांग्रेस द्वारा भारत माता के चरणों में ज्ञापन रखकर आक्रोश व्यक्त किया गया। शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम चाहर के नेतृत्व में महिलाओं ने मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के बयान की कड़े शब्दों में निंदा की। विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में अपमानजनक शब्द कहे उसको लेकर महिला कांग्रेस ने उनके पोस्टर पर चूड़ियों की माला पहनाई और सभी महिलाओं ने उनको चूड़ियां भेंट की। महिला कांग्रेस ने विजय शाह के बयान को महिलाओं का अपमान बताया और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। महिलाओं ने विजय शाह के पोस्टर पर चूड़ियों की माला पहनाकर अपना विरोध जताया। साथ ही, भारत माता के चरणों में ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें भाजपा के नेताओं को सदबुद्धि देने की प्रार्थना की गई। विजय शाह और जगदीश देवड़ा जैसे नेता संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ जाकर ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं जो कि अत्यंत निंदनीय है। हम भाजपा के इन नेताओं को सद्बुद्धि देने के लिए भारत माता आपके चरणों में प्रार्थना करते हैं। इस अवसर पर भूतपूर्व विधायक पारस सकलेचा, जिला अध्यक्ष महेंद्र कटारिया, नेता प्रतिपक्ष शांतिलाल वर्मा, राधा प्रजापति, अनु नेकाडी, आशा रावत, नजमा बेलुत, तबस्सुम शेरानी, मोना, रंजना, जायदा बेगम, तबस्सुम खान, हिना, लीलाबाई, रेखा सोलंकी, काजल, अफसाना ,शानू, अनीता, मुमताज खान, रश्मि सिंह, अनुराधा, कविता, संगीता गुर्जर, अंजू चौहान, शारदा राठी, हेमलता, फैय्याज मंसूरी, शैलेंद्र सिंह, कमरुद्दीन कछवाया, बसंत पंड्या, राजेश प्रजापत, इक्का बैलूत, अमित शर्मा, मोंटी, इकरार चौधरी, सलीम बागवान, हरविंदर सिंह नांद्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम चाहर ने दी।

ग्राम रत्तागढखेड़ा में हुआ पहला नेत्रदान

रतलाम। ग्राम रत्तागढखेड़ा, में मानवता और सेवा का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए ग्राम का पहला नेत्रदान संपन्न हुआ। ग्राम निवासी ठा. रतनसिंह गेहलोत की धर्मपत्नी स्व. श्रीमती सेतानबाई गेहलोत के निधन उपरांत उनके नेत्रदान का निर्णय लिया गया। नेत्रम संस्था के हेमन्त मूणत ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि यह पुनीत कार्य ग्राम के शांतिलाल नानालाल पाटीदार द्वारा परिवार को नेत्रदान हेतु प्रेरित करने से संभव हुआ। स्व. सेतानबाई जी के पति ठा.रतनसिंह पुत्र सज्जन सिंह एवं डॉ. जालमसिंह गेहलोत सहित समस्त परिजनों ने तुरंत सहमति प्रदान की। सूचना मिलते ही गीता भवन न्यास बडनगर के डॉ.जी .एल. दादरवाल अपनी टीम के चंचल पाटीदार ,मनीष तलाच को लेकर त्वरित रूप से ग्राम पहुचे और नेत्रदान की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस अवसर पर सुरेश पाटीदार(आदर्श), नरसिंह चौहान, अजित जैन, चंद्रसिंह सहित गांव के अनेक गणमान्य नागरिक, महिलाएं एवं युवा उपस्थित रहे। सभी ने नेत्रदान की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देखा और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया। और इसे समाज के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बताया। यह नेत्रदान ग्राम रत्तागढखेड़ा में सामाजिक चेतना की एक नई शुरुआत है, जो आने वाले समय में अनेक परिवारों को इस पुण्य कार्य के लिए प्रेरित करेगा।

यात्रियों एवं स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाहनों की चैकिंग की गई

रतलाम। कलेक्टर राजेश बाथम के मार्गदर्शन में यात्रियों एवं स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाहनों की चैकिंग की गई, कमियां पाये जाने पर 59,500 अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। जिला परिवहन अधिकारी दीपक मांझी ने बताया कि परिवहन विभाग एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा जावरा एवं ताल क्षेत्र में स्कूल बसों एवं यात्री बसों की चेकिंग कार्यवाही की गई। कुल 40 वाहनों की चेकिंग की गई। इसमें स्कॉलर स्कूल जावरा की 2 बसों पर 30000 का जुर्माना विभिन्न धाराओं में किया गया। ताल में यात्री बस पर 7500 का जुर्माना किया गया । जावरा में 2 यात्री बसों पर विभिन्न धाराओं में 22000 की चालानी कार्यवाही की गई। कर बकाया होने पर 1 बस की जब्ती कर थाने में रखवाया गया। बस संचालक द्वारा जब्ती में सहयोग नहीं करने पर बस को क्रेन की सहायता से जब्त कर थाने में रखवाया गया। कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

नगरा सोसायटी में 31 लाख का गबन : रिटायर्ड सहायक प्रबंधक व लेखापाल के खिलाफ केस; आरोप- दूसरों को बेचा खाद

रतलाम। जिले के नगरा सोसायटी (बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था) में 31 लाख रुपए से अधिक की आर्थिक अनियमितता का मामला सामने आया है। सोसायटी के सदस्यों की शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने सोसायटी के रिटायर्ड सहायक प्रबंधक व लेखापाल के खिलाफ अमानत में खयानत का केस दर्ज किया है। नगरा सोसायटी के प्रबंधक राहुल केलवा ने स्टेशन रोड थाने मे शिकायत की थी। जांच के बाद पुलिस ने रिटायर्ड सहायक प्रबंधक फकीरचंद प्रजापत निवासी नगरा और लेखापाल आनंदीलाल जैन निवासी थावरिया बाजार के खिलाफ केस दर्ज किया। अगस्त 24 में में सोसायटी के सदस्यों ने गबन की शिकायत की थी। विभागीय स्तर व पुलिस की जांच के बाद शुक्रवार शाम केस दर्ज हुआ है। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार किसानों के फर्जी हस्ताक्षर कर आर्थिक अनियमितता करने की शिकायत 11 जुलाई 2024 को हुई। किसानों ने 20 अगस्त 2024 को कलेक्टर से भी इसकी शिकायत की। सहकारिता जिला रतलाम एवं महाप्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रतलाम द्वारा जांच कराई।

करंट के बाद खंभे से गिरते बिजलीकर्मी का वीडियो : लोगों ने पकड़ने की कोशिश की, लेकिन जमीन पर गिरा, भीड़ ने चक्काजाम किया

रतलाम। बिजली का फाल्ट सुधारने खंभे पर चढ़ा कर्मचारी करंट लगने से नीचे गिर गया। नीचे खड़े लोगों ने उसे जमीन पर गिरने से पहले पकड़कर बचाने के प्रयास किए। कर्मचारी को रतलाम में प्राइवेट हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया है। इसका वीडियो सामने आया है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों बिना सुरक्षा इंतजाम काम कराने के विरोध में कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन किया। सड़क पर जाम लगा दिया। घटना बिलपांक थाना के धानासुता गांव की है। घायल कर्मचारी के परिवार में चार नाबालिग बेटियां और पत्नी है।

करंट से बेहोश होकर ऊपर ही चिपक गया- आउटसोर्स कर्मचारी राकेश माली निवासी धानासुता सुबह करीब 10 बजे खंभे पर चढ़ा था। जैसे ही वह ऊपर पहुंचा अचानक तारों में करंट आ गया। करंट लगते ही वह बेहोश होकर वहीं चिपक गया। वहां मौजूद ग्रामीणों ने देखा और गांव के एक अन्य लाइनमैन मुकेश मकवाना को फोन कर बिजली बंद करने को कहा। बिजली बंद होने के बाद फकीरचंद रजक, राकेश को उतारने खंभे पर चढ़ा। वह ऊपर पहुंचा ही था कि राकेश नीचे आ गिरा। जानकारी के मुताबिक लाइनमैन मंगलसिंह की साथ में ड्यूटी थी, लेकिन वो वहां नहीं था। मंगलसिंह ने ही परमिशन लेकर बिजली सप्लाई बंद कराई थी।

प्रदर्शनकारी बोले- बिजली किसने चालू की?-ग्रामीणों ने बिजली कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन कर बडनगर-खाचरौद रोड पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों का कहना था कि जब कर्मचारी बिजली कंपनी से फॉल्ट सुधारने की परमिशन लेकर खंभे पर चढ़ा तो बिजली किसने चालू की। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। कर्मचारी का इलाज कराते हुए आर्थिक सहायता दी जाए। मौके पर कार्यपालन यंत्री ग्रामीण पहुंचे। जांच का आश्वासन दिया। इधर, घायल से मिलने हॉस्पिटल में बिजली कंपनी अधीक्षण यंत्री बेंजामीन फ्रेंकलिन पहुंचे।

कर्मचारी को पहले दो बार लग चुका करंट- कर्मचारी राकेश को तीसरी बार करंट लगा है। गांव के संदीप राठौर, संजय पांचाल, नीलेश माली, अजय वर्मा ने बताया राकेश को पहली बार कमेड़ की ग्रिड पर करंट लगा था। दूसरी बार कमेड़ चौराहे पर लगे पोल पर कार्य के दौरान करंट लगा था। इसके बाद इलाज के बाद ठीक हुआ। शनिवार को तीसरी बार करंट लगा है।

रिटर्न करंट आया, जांच कर रहे हैं-बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री बेंजामीन फ्रेंकलिन ने बताया घटना की जांच की जा रही है। लाइनमैन मंगलसिंह साथ में था। इसने परमिट लिया था। अचानक रिटर्न करंट आया। करंट लगने से कर्मचारी राकेश पोल से नीचे गिर गए। मेरी उनसे बात हुई है। बातचीत कर रहे है। लाइनमैन मंगलसिंह को निलंबित कर रहे हे। संबंधित प्रभारी अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। पूर्व में सेफ्टी ड्रिल भी कराया।

एक माह पहले भी हुआ था हादसा-एक माह पहले 12 अप्रैल को भी रतलाम के पिपलौदा में करंट लगने से लाइनमैन शांतिलाल (40) पिता रमेशचंद्र पोरवाल निवासी कमलाखेड़ा की मौत हो गई थी। लाइनमैन आउटसोर्स कर्मचारी था, जो एक खेत में बिना सुरक्षा साधनों के 11केवी लाइन का फाल्ट ठीक करने के लिए बिजली खंभे पर चढ़ा था। फाल्ट ठीक करने के बाद जैसे वह नीचे उतरने लगा और उसे करंट लग गया। वह तारों पर चिपक गया और उसकी मौत हो गई।

जगदीश देवड़ा को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग

कांग्रेस ने जलाया उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का पोस्टर

रतलाम। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा सेना को मोदी के चरणों में बताने की बात पर शहर कांग्रेस रतलाम में देवड़ा के खिलाफ शहीद चौक पर जंगी प्रदर्शन किया गया । इस अवसर पर लगभग 1 घंटे तक नारेबाजी करते हुए कांग्रेस के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने जगदीश देवड़ा मुर्दाबाद, जगदीश देवड़ा को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करो, जगदीश देवड़ा को गिरफ्तार करो, आदि जमकर नारे लगाए तथा बाद में जगदीश देवड़ा के पोस्टर को आग लगा कर अपना विरोध प्रदर्शन किया।

शहर अध्यक्ष महेंद्र कटारिया ने उपस्थित जनता और कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता जगदीश देवड़ा तथा विजय शाह द्वारा पराक्रमी सेना के खिलाफ अनर्गल बयान देना उनकी ओछी मानसिकता का प्रतीक है। अगर दोनों मंत्रियों में थोड़ी भी नैतिकता है, तो उन्हें तत्काल अपने पद से त्यागपत्र दे देना चाहिए। अन्यथा महामहिम राज्यपाल को इन दोनों को पद से बर्खास्त कर देना चाहिए। पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने कहा की विजय शाह, और जगदीश देवड़ा का बयान भाजपा द्वारा दबे पांव देश में तानाशाही लाने और लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की कोशिश का एक प्रयोग है। अगर यह बयान दोनों मंत्रियों के निजी होते तो भाजपा कभी से उनसे जवाब तलब कर पद से हटा देती। लेकिन सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट द्वारा भी सख्त कार्रवाई किए जाने के बाद भी, उनका निरंतर बचाव करना, अधूरी एफआईआर दर्ज करना, और कोई कार्रवाई नहीं करना, यह दर्शाता है कि भाजपा द्वारा तानाशाही लाने की रणनीति के तहत इन दोनों मंत्रियों से बयान दिलाये गए हैं। सारा खेल केंद्रीय शिर्ष नेतृत्व के इशारों पर हो रहा है। इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेंद्र कटारिया, पूर्व विधायक पारस सकलेचा, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शांतिलाल वर्मा, उप नेता कमरुद्दीन कछवाय, कार्यवाहक अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह अठाना, फैयाज मंसूरी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम चाहर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बसंत पंड्या, वीरेंद्र प्रताप सिंह, महामंत्री राजीव रावत, मुकेश कोठारी, सचेतक आशा रावत, पार्षद सलीम भाई बागवान, अमर सिंह शेखावत, रश्मि सिंह, शाकीर खान, राजेश प्रजापत, हरविंदर सिंह नाद्रा, राधा प्रजापत, तबस्सुम खान, जाहिदा खान, राहुल दुबे जोंटी, अमित शर्मा, कमल पांचाल, राकेश आचार्य, शाकिर शाह, हिना शेख, नजमा बेलुत, हेमंत नेका, विजय लाला पंड्या, इक्का बेलूत, इकरार चौधरी, मनीष जैन पचेड, कैलाश सोलंकी गुड्डा, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस : डेंगू को हराने के उपाय- देख, साफ करें, ढके थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया गया

रतलाम। स्वास्थ्य एवं मलेरिया विभाग द्वारा आईपीपी 6 विरियाखेड़ी ट्रेनिंग सेंटर में डेंगू को हराने के उपाय-देख, साफ करें, ढके अंतर्गत राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया है। इस थीम का तात्पर्य यह है कि डेंगू पैदा करने वाली परिस्थितियों को देखें उनकी पहचान कर साफ सुथरा करें एवं उपयोगी जल को ढक कर रखें ताकि मच्छरजन परिस्थितियां पैदा ना हो सके। विश्व समुदाय से जुड़कर जागरूकता के माध्यम से डेंगू पर नियंत्रण किया जा सकता है। कार्यक्रम अंतर्गत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं/ आशा कार्यकर्ताओं द्वारा सांकेतिक जनजागरूकता रैली एवं कार्यशालाओं का आयोजन रतलाम शहर एवं सभी विकासखंड स्तर पर किया गया। सांकेतिक रैली का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संध्या बेलसरे की उपस्थिति में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ प्रमोद प्रजापति, महामारी नियंत्रक अधिकारी डॉ गौरव बोरिवाल, सहायक मलेरिया अधिकारी श्री नरवे सिंह वसुनिया द्वारा किया गया कार्यक्रम में कार्यालय के श्री राजेंद्र पालीवाल, श्री संदीप विजयवर्गीय, श्री सुनील दुबे, विकास पटेल एलडीसीएमआईएस एवं शहरी आशा कार्यकर्ता और एंटी लार्वा टीम मलेरिया विभाग के कर्मचारियों द्वारा उपस्थित होकर भाग लिया गया। जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा आम जन को डेंगू बीमारी के प्रति जागरूक रहने एवं समय पर जांच एवं उपचार बचाव संबंधी जानकारी दी गई।

व्याख्यान देकर सिखाएं गए आत्मरक्षा के गुर

रतलाम। 21 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी, रतलाम द्वारा आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 11 मई 25 से 20 मई 25 तक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, सैलाना में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में कमान अधिकारी कर्नल संदीप अहलावत के नेतृत्व में प्रतिदिन सैन्य विषयो के प्रशिक्षण के अतिरिक्त सामाजिक विकास गतिविधीयों एवं नागरिक सुरक्षा हेतु व्याख्यान एवं डेमो का आयोजन किया जा रहा है।

हेड कॉन्स्टेबल के घर से 5 लाख के गहने चोरी - खिड़की तोड़कर घुसे चोर ; ड्यूटी से लौटने पर अंदर से बंद मिला दरवाजा

रतलाम। हेड कॉन्स्टेबल के घर से 5 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण समेत 50 हजार रुपए की चोरी हो गई। हेड कॉन्स्टेबल नाइट में पेट्रोलिंग ड्यूटी पर थे। पत्नी व बच्चे इंदौर छुट्?टी मनाने गए हुए थे। जिस बिल्डिंग में चोरी हुई है उस परिसर में 8 से 10 बिल्डिंग है। जिसमें सभी पुलिसकर्मी परिवार के साथ रहते है। शहर में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। चोर पुलिस से एक कदम आगे चल रहे है। इस बार चोरी की घटना कनेरी रोड स्थित पुलिस लाइन में बनी ॥ बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाले हेड कॉन्स्टेबल नीलेश पाठक के घर में हुई। नीलेश शहर के स्टेशन रोड थाने की सालाखेड़ी चौकी में पदस्थ है। चोर शुक्रवार रात घर के पीछे खिड़की की ग्रिल तोड़ घुसे।

अंदर से दरवाजा था बंद-हेड कॉन्स्टेबल शुक्रवार रात 10.30 बजे घर से फोरलेन पर पेट्रोलिंग की ड्यूटी पर गए थे। घर पर कोई नहीं था। पत्नी इंदौर गई थी। शनिवार सुबह करीब 8 बजे वह लौटे। ताला खोला, लेकिन अंदर से दरवाजा बंद था। शंका होने पर उन्होंने अपार्टमेंट के पीछे जाकर देखा। घर के पीछे की खिड़की ग्रिल टूटी दिखी। पड़ोसी की बॉलकनी से अपने घर में पहुंचकर दरवाजा अंदर से खोला। चोरी की सूचना अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी। **ग्रिल तोड़ अंदर घुसे-** बदमाश ग्रिल तोड़कर घर में घुसे और मुख्य दरवाजा अंदर से बंद कर अलमारी में रखे नकदी 50 हजार रुपए समेत सहित करीब 5 लाख रुपए से अधिक के सोने-चांदी के आभूषण चुरा ले गए। सूचना मिलने पर दीनदयाल नगर थाना प्रभारी मनीष डाबर सहित साइबर सेल, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट के अलावा डॉग स्क्वॉड मौके पर जांच करने पहुंचा।**इंदौर से लौटी पत्नी**-हेड कॉन्स्टेबल की पत्नी व बच्चे इंदौर में छुट्टी मनाने गए थे। चोरी की सूचना पर वह भी दोपहर में रतलाम पहुंची। पत्नी के आने के बाद पता चला कि अलमारी में रखे नगदी करीब 50 हजार रुपए समेत सोने के तीन मंगलसूत्र चुरा ले गए।

– विश्व संवाद केंद्र और रतलाम प्रेस क्लब के तत्वावधान में नारद जंयती पर हुआ व्याख्यान

बाजार वाद में फेक नेरेटिव सबसे बड़ा संकट - डॉ. जोशी

रतलाम। रतलाम प्रेस क्लब और विश्व संवाद केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को नारद जयंती के उपलक्ष्य पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कई राष्ट्रीय चैनलों में वरिष्ठ पत्रकार, लोकसभा टीवी दिल्ली के प्रधान सम्पादक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि भोपाल के विभागाध्यक्ष रहे और वर्तमान में प्रोडक्शन, सम्बद्ध अध्ययन संस्थाएं एवं रेडियो कर्मवीर डॉ. आशीष जोशी मुख्य वक्ता रहे। राष्ट्रचिंतन और समाज निर्माण में पत्रकारिता की भूमिका -नारदीय परंपरा से आज तक विषय पर मुख्य वक्ता ने धारदार तरीके विचार रखे।

आयोजन में रतलाम प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेशपुरी गोस्वामी और सचिव यश शर्मा बंटी मंचासीन रहे। अतिथियों ने मुनि श्री नारद के चित्र पर माल्यार्पण और पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान रतलाम प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष सुजीत उपाध्याय, सौरभ कोठारी, कोषाध्यक्ष नीरज शुक्ला, सह सचिव हेमंत भट्ट, कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य दिनेश दवे, किशोर जोशी, शुभ दशोत्तर, निलेश बाफना, विनोद वाधवा, धरम वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार शरद जोशी, रमेश टांक, दिलीप पाटनी, राजेश मूणत, सुरेंद्र जैन, नरेंद्र जोशी, विजय मीणा आदि ने क्लब और रतलाम के समस्त पत्रकारों की ओर से डुपट्टा और पुष्पहार से डॉ. जोशी का स्वागत किया।

नारद और गणेश से लेनी चाहिए प्रेरणा-अपने उद्बोधन में डॉ जोशी ने कहा कि हमारी परंपरा में आदि पत्रकार देवऋषी नारद को माना जाता है क्योंकि उन्होंने हमेशा संचार और संवाद लोक कल्याण के लिए ही किया। डॉ. जोशी ने कहा कि आज के दौर में पत्रकारों को केवल नारद ही नहीं बल्कि भगवान श्री गणेश से भी प्रेरणा लिखनी चाहिए। ऋषी वेद व्यास ने जैसा देखा और कहा वैसा ही भगवान श्री गणेश ने लिखा। उन्होंने कहीं भी अपने विचार, अपना हित या इच्छा को लेखनी में नहीं आने दिया। आज भारत और पाकिस्तान के बीच जब तनाव की स्थिति है तब हमारी पत्रकारिता और भी गंभीर होनी चाहिए। कई चैनलों, यू-ट्यूब चैनलों पर जिस तरह की पत्रकारिता हुई है वह लोकहित कारी बिल्कुल भी नहीं है। उन्होंने समझाया कि कैसे वैश्विक स्तर पर केवल बाजारवाद हावी है। फार्मासुटिकल कंपनियां हो, खेती की दवाईयां बनाने वाली कंपनियां हों, हथियार या उसकी तकनीक बनाने वाली कंपनियां हों ये सभी अपने हिसाब से सोशल मीडिया माध्यमों से फेक नेरेटिव तैयार करती हैं।

पत्रकारों की भूमिका सबसे अहम- जानबूझ कर देश की युवा पीढ़ी के सामने इतिहास को, संस्कृति को, तथ्यों को तोड़ कर पेश किया जाता है। ऐसे झूठे भय प्रसारित करवाए जाते हैं जिससे उनके उत्पाद बिकें। परिवार तोड़े जाते हैं ताकि जहां एक उत्पाद की जरूरत थी, वहां चार उत्पाद बेंचे जा सकें। ऐसी में पत्रकारों की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। हमें बाजार वाद में टूल की तरह इस्तेमाल न हों इसका ध्यान रखना चाहिए। आजकर सूचाओं की तो बाढ़ आ रही है। पत्रकारों को यह तय करना है कि क्या नहीं प्रसारित करना है। यह अहम है कि देश की एकता, अखंडता को कोई नुकसान न हो। उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा कि रतलाम के पत्रकारों और पत्रकारिता की दिशा हमेशा सकारात्मक रही है। आज भी छोटे शहरों से जो पत्रकारिता हो रही है

आजादी से आज तक जगा रहे अलख-रतलाम प्रेस क्लब के अध्यक्ष गोस्वामी ने कहा कि रतलाम में पत्रकारिता की धरा सदा उर्वर रही है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गोपाल सिंह नेपाली जैसे पत्रकारों ने रतलाम की धरा से अखबार निकालकर आजादी के लिए अलख जगाई। देश की पहली महिला पत्रकार हेमंत कुमारी चौधरी ने रतलाम में रहकर अपनी पत्रिका सुग्रहणि निकाली और पूरे देश में महिला पत्रकारिता की शुरुआत की। रतलाम की धरा से आज भी पत्रकार व्यावसायिकता के तमाम दबावों के बावजूद देश, समाज, लोककल्याण के लिए कलम चलाते हैं। कार्यक्रम के अंत में आभार मानते हुए संस्था के कोषाध्यक्ष नीरज शुक्ला ने कहा कि बड़े शहरों में रहकर ऐसी पत्रकारिता करने वाले देश की वास्तविक समस्याएं नहीं जानते हैं। परंतु आयोजन के मुख्य वक्ता डॉ. जोशी हमारे बीच से निकलकर शीर्ष तक पंहुचे हैं इसलिए वे हमें और हमारी परेशानियों को भलिभांति समझाते हैं। संचालन अदिति मिश्रा ने किया।

ये रहे मौजूद-आरिफ कुरैशी, तुषार कोठारी, भेरूलाल टांक, संजय पाठक, असीमराज पाण्डेय, राजेश पुरोहित, विवेक बाफना, साजिद खान, मुबारिक शेरानी, समीर खान, राकेश पोरवाल, विवेकानंद चौधरी, जयदीप गुर्जर, नारायण चौधरी, महेश पुरोहित, प्रकाश कुमावत, गोवर्धन चौहान, विवेक मल्होत्रा, विश्व संवाद केंद्र के सुरेंद्र सिंह, पत्रकार और विश्व संवाद केंद्र के पदाधिकारी, कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता पर मंदसौर में निकली तिरंगा यात्रा

। ऑपरेशन ''सिंदूर'' की सफलता पर जिला मुख्यालय मंदसौर पर राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा मंच के आह्वान पर शनिवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। आयोजित तिरंगा यात्रा में मंदसौर शहर के सभी धर्मों के धर्म प्रमुख , सैनिक परिवार के सदस्यगण,व्यापारी गण, मीडिया बंधु , युवा गण मातृशक्ति ,खिलाड़ी , समाजसेविक संस्थाओं के सदस्य गण सहित हजारों की संख्या में शहर वासियों ने सहभागिता की।

रैली के प्रारंभ में महाराणा प्रताप बस स्टैंड स्थित मंच पर सभी धर्म के धर्म प्रमुखों का सम्मान राष्ट्रीय सुरक्षा नागरिक मंच के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। फौज में देश की रक्षा कर रहे सैनिकों की धर्मपत्नियों को सिंदूर भेंट किया गया तत्पश्चात महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तिरंगा कलर के गुब्बारे को आसमान में छोड़ रैली प्रारंभ हुई। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुनिया ने हमारी सेनाओं का पराक्रम देखा है। इस तरह का पराक्रम वाली सेना के रहते हुए कोई भी देश भारत की ओर आंख उठाकर नहीं देख सकता। तिरंगा यात्रा देश की एकता व संकल्प शक्ति का प्रतीक है। देश की एकजुटता हमारे गौरवशाली अतीत की याद दिलाती है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति ने चार दिन पहले कही हुई अपनी बात में सुधार किया है। तिरंगा रैली महाराणा प्रताप बस स्टैंड से प्रारंभ होकर बीपीएल चौराहा गांधी चौराहा बस स्टैंड होते हुए वंदे मातरम चौराहा पर पहुंची जहां पर भारत माता की भव्य प्रतिमा के सामने रैली में उपस्थित सर्व समाज के धर्म प्रमुखों,राजनीतिक दल के पदाधिकारीयो , व्यापारी गण, मीडिया परिवार के सदस्यों, युवा शक्ति ,मातृशक्ति आदि ने भारत माता की आरती की।

17वें दिन 16 ट्राली जलकुंभी व गंदगी नदी से निकाली गई

शिवना शुद्धिकरण में समाजों, छात्रों, संगठनों ने किया श्रमदान

। शिवना शुद्धिकरण अभियान के तहत 16 दिन तक पशुपतिनाथ मंदिर के समीप छोटी पुलिया से कोर्ट रोड़ तक की जलकुंभी साफ करने के बाद अब 17वें दिन अर्थात 17 मई से कोर्ट रोड़ से श्रमदानियों द्वारा जलकुंभी व गंदगी हटाना शुरू किया गया। 17वें दिन भी श्रमदानियों में गजब का उत्साह दिखाई दिया। शनिवार को ब्रह्मा कुमारी आश्रम, धोबी समाज, मिरेकल कॉलेज नयाखेड़ा, शुक्ला टुटोरियल परिवार, खिलचीपुरा महिला संगठन, मदरसा अनवारूल उलूम खानपुरा, मेघवाल समाज विकास परिषद, कांग्रेस सहित नगरवासी व ग्रामीणजन श्रमदान में सहभागिता की। 17 मई 16 ट्राली गंदगी व जलकुंभी शिवना नदी से निकाली गई।

विधायक श्री विपिन जैन के आव्हान पर शुरू हुए शिवना शुद्धिकरण अभियान अब जन अभियान का रूप ले चुका हैं हर व्यक्ति इससे जुड़कर शिवना के प्रति अपनी जवाबदेही को निभा रहा है। प्रतिदिन श्रमदानियों की संख्या बढ़ती जा रही है तथा इसी के परिणाम स्वरूप शिवना मैया भी अपने पुराने स्वरूप में धीरे-धीरे लौट रही है। 17 मई को श्रमदान करने विधायक विपिन जैन, नीमच जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया, ब्रह्माकुमारी आश्रम मंदसौर से ब्रह्माकुमारी उषा बेन, हेमा बेन, माया बेन, अनिता बेन, भावना बेन, दिनेश जोशी ओम शांति, मनोज भटनागर, सुरेश पाटीदार, समाजसेवी महेश दुबे, मनीष भावसार, घनश्याम भावसार, रमेश सोनी, पूर्व टीआई रामचन्द्र मालवीय, विजय आनन्द, अभिषेक तिवरी, सुधांशु भावसार, गोविन्द माली, सुरेश चौहान, हेमराज खाबिया, मेघवाल समाज विकास परिषद मंदसौर के राधेश्याम गोवरी, सुखलाल चरेड़, शोभाराम सूर्यवंशी, सुरेशचन्द भेसावल, कांग्रेसजन डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर, विकास दशोरा, डॉ. प्रीतिपालसिंह राणा, तरूण खीची, राजनारायण लाड़, संजय नाहर, रमेश सिंगार, राजेश फरक्या, राहुल तिवारी, विजयसिंह सिसौदिया, सुनील बसेर, कचरमल जटिया, गणपत कुमावत, मिथुन कटारिया, योगेन्द्र गोड़, अशोक राव, सादिक गौरी, शिवशंकर सौलंकी, आमिन खान, ओमप्रकाश सूर्यवंशी, सोहन धाकड़ धमनार, गोपाल बंजारा, गगन माली, शैलेष माली, आदर्श जोशी, अकरम खान, अभिषेक जैन, राकेश जैन पिंटू, भवानीशंकर, गौरव गेहलोद, महिला नेत्री में रफत पयामी,इष्टा भाचावत, सोनाली जैन, प्रमिला पंवार, गीताली पोरवाल, मीताली पोरवाल, सोहनबाई गिदवानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक पहुंचे।

तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुआ युवा प्रेस क्लब

। राष्ट्रीय सुरक्षा नागरिक मंच के तत्वावधान में 17 मई शनिवार को सायं 5 बजे नगर के महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड से एक विशाल तिरंगा यात्रा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और देश की सेना के सम्मान में निकाली गई। उक्त तिरंगा यात्रा में युवा प्रेस क्लब ने भी सहभागिता की और ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए देश की सेना के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर युवा प्रेस क्लब के संरक्षक प्रकाश सिसौदिया, वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र धनोतिया, युवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष चरण राजपाल, संयुक्त सचिप विजयेन्द्र फांफरिया, वरिष्ठ पत्रकार संजय भाटी, निलेश भारद्वाज, सचिन जैन, प्रदीप कारपेन्टर, सलमान कुरैशी, गोलू चौहान, रोहित सोलंकी आदि उपस्थित थे।

किसान आचार्य विद्यासागर योजना तथा ऋण एवं अनुदान पर 10+1 बकरी पालन योजना का लाभ उठायें

। पशुपालन एवं डेयरी विभाग उपसंचालक द्वारा बताया गया की संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी विभाग म.प्र. भोपाल द्वारा जिले को आचार्य विद्यासागर तथा ऋण एवं अनुदान पर 10+1 बकरी पालन योजना के लक्ष्य जिले को प्राप्त हो गये हैं, जो जिले की समस्त बैंको को आवंटित कर दिये गये है। इच्छुक पशुपालक नजदीकी पशु चिकित्सालय से संपर्क कर आवेदन की कार्यवाही करते हुये बैंक में ऋण हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

आचार्य विद्यासागर डेयरी योजना में आवश्यक दस्तावेज एवं कार्यवाही के रूप में राशन कार्ड, आधार कार्ड ग्राम पंचायत का ठहराव प्रस्ताय, जनपद पंचायत से अनुमोदन समग्र आईडी, बी1, बी2, खसरा नकल, जाति प्रमाण पत्र, मो.नं. ग्राम का नाम, ग्राम पंचायत का नाम तहसील एवं हितग्राही की उम्र अंकित करें। साथ ही आवेदन के साथ 2025-26 की बैंक स्वीकृति लेटर पेड पर प्राप्त कर आवेदन के साथ प्रस्तुत करे। 10+1 बकरी पालन योजना में आवश्यक दस्तावेज एवं कार्यवाही राशन कार्ड, आधार कार्ड, ग्राम पंचायत का ठहराव प्रस्ताव, जनपद पंचायत से अनुमोदन, समग्र आईडी, बी1, बी2 खसरा नकल, (जमीन नहीं होने की स्थिति में पटवारी की रिपोर्ट संलग्न करें।

स्कूल शिक्षा विभाग में स्वैच्छिक स्थानांतरण आवेदन की तिथि बढ़ी

। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानांतरण नीति के क्रियान्वयन की समय-सारणी जारी की है। विभाग ने समय-सारणी तालिका में आंशिक संशोधन किया है। स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिये ऑनलाइन आवेदन करने की नियत सीमा 16 मई से बढ़ाकर अब 21 मई की गयी है। इसी के साथ ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी करने की तिथि 20 मई से बढ़ाकर 25 मई, 2025 नियत की गयी है। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेश जारी किये हैं।

महाविद्यालय में ई-प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय में सत्र 2025-26 में ई-प्रवेश प्रक्रिया तथा बी.काम में प्रारंभ हो चुका है। बी.कॉम में तीन वर्ष का बैंकिग, वित्तीय एवं बीमा सेवा के लिए रोजगारोन्मुखी स्नातक उपाधि कोर्स है। इस कोर्स के अंतर्गत जिले के एकमात्र शासकीय कन्या महाविद्यालय में म.प्र.शासन द्वारा पहली बार रोजगारोन्मुखी कोर्स प्रारंभ किया गया है। इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिग्री के साथ-साथ रोजगार की ओर प्रेरित करना एवं रोजगार उपलब्ध कराना है। इस कोर्स में कुल ×0 सीटें है। अतः विद्यार्थियों को शीघ्र प्रवेश लेकर योजना का लाभ उठाना चाहिए।

वन डे त्रिकोणीय बधिर श्रृंखला 2025 - मध्यप्रदेश बना विजेता

इन्दौर (इ)। स्थानीय शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल मैदान पर मध्यांचल क्रिकेट बधिर सोसाइटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रथम वनडे त्रिकोणीय बधिर सीरीज प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा की टीमें शामिल हुईं। फाइनल मुकाबले में मध्य प्रदेश ने ओडिशा को पराजित कर ट्राफी अपने नाम की। मध्य प्रदेश के खेलकरण बरमैया को मैन आफ द मैच चुना गया। ओडिशा के अमर जेना मैन आफ द सीरीज के साथ ही सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जैसे तीन प्रमुख खिताब जीतने में सफल रहे। पुरस्कार वितरण विधायक गोलू शुक्ला के आतिथ्य में हुआ। इस दौरान सोसाइटी के अध्यक्ष पवन व्यास, उपाध्यक्ष गजेन्द्र मिश्रा, आनंद अगरकर भी उपस्थित थे।

देव कुमावत को बुलगारिया यूरोप बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय जूनियर सीरिज खिताब

इंदौर। भारत के देव कुमावत ने यूरोप में 11 से 16 मई तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय जूनियर सीरिज बैडमिंटन स्पर्धा जीतकर यूरोप मे तिरंगा फहराया। म.प्र. के देव कुमावत ने 19 वर्ष बालक एकल सेमीफाइनल में बुलगारिया के तस्वेतन लावानेव को 21-11, 21-8 को हराकर उलटफेर किया। देव कुमावत ने यूरोप के बुलगारिया में 11 से 16 मई तक हुई इस स्पर्धा में दो उलटफेर कर तीसरी खिताबी सफलता हासिल की। म.प्र. पुलैला गोपीचंद उत्कृष्ट बैडमिंटन अकादमी, ग्वालियर मध्यप्रदेश के देव कुमावत विश्व जूनियर 23वीं रैंकिंग के देव ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के टांकिड़ सहेंगे को 21-16, 21-12 से हराया। देव कुमावत का यह तीसरा अंतरराष्ट्रीय खिताब देव कुमावत ने अपनी खिताबी सफलता पर खुशी जताई। यूरोप में अपने देश के राष्ट्रगान और तिरंगा लहराने से वह बहुत खुश हुए। वे खेल एवं युवा कल्याण विभाग म.प्र. शासन द्वारा ग्वालियर में संचालित म.प्र. बैडमिंटन अकादमी में खेलते हैं। देव कुमावत को अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा जीतने पर म.प्र. खेल संचालक राकेश गुप्ता, सहायक संचालक और प्रभारी ग्वालियर बैडमिंटन एकेडमी प्रदीप अस्टिया, खेल और युवा कल्याण अधिकारी जोसेफ बक्सला, एकेडमी प्रभारी हितेंद्रसिंह पाल ने बधाई दी है।

3 दिवसीय अंडर 17 अंडर 15 सब जुनियर राज्य स्तरीय कुश्ती का शुभारंभ कनाड में

इंदौर मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के विक्रम अवॉर्डी ओमप्रकाश खत्री ने बताया कि स्व . लक्ष्मण जी यादव स्व. रामचंद्र जी पहलवान यादव की स्मृति में सब जुनियर राज्य कुश्ती का शुभारंभ भारतीय वेस्टर्न रेलवे के खेल अधिकारी ओलंपियन पप्पु यादव ने किया अतिथि थे आयोजन समिति के राधेश्याम यादव , ओमप्रकाश यादव , जगदीश यादव , विनोद यादव, विक्रम यादव, अज्जु ओसारी अतिथियों का स्वागत कुश्ती संघ के सुरेश यादव, गोविंद गुजर, विकास यादव सचिन यादव ने किया इस अवसर पर ओलंपियन पप्पु यादव ने 405 पहलवानों को भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की मध्यप्रदेश में कुश्ती का रुझान बढ़ा है प्रारंभिक कुश्तियों में परंपरागत इंदौर अव्वल रहा साथ ही उज्जैन, भोपाल, खंडवा, जबलपुर,ग्वालियर के पहलवानों ने भी जीत दर्ज कर अपनी उपस्थिति बताई कनाड में लगातार दुसरी बार राज्य कुश्ती का आयोजन हो रहा है

श्रीजा अकुला हारी, लेकिन भारत ने युगल में सफलता का स्वाद चखा

दोहा-भारत की नंबर एक श्रीजा अकुला पहले दौर में हार गईं, लेकिन मुखर्जी बहनें - अयहिका और सुतिर्था - और दीया चितले और यशस्विनी घोडपड़े की जोड़ी ने शनिवार को यहां टेबल टेनिस विश्व चैंपियनशिप में अपने-अपने महिला युगल के शुरुआती मैच जीत लिए। मानव ठक्कर और मानुष शाह की भारतीय जोड़ी ने भी प्रीमियर टूर्नामेंट में पुरुष युगल के अपने पहले दौर के मैच में सफलता का स्वाद चखा। अकुला, थाईलैंड की सुथासिनी सवेत्ता से 1-4 (11-9 8-11 6-11 5-11 2-11) से हार गईं। भारतीय खिलाड़ी के लिए यह निराशाजनक प्रदर्शन रहा क्योंकि वह विश्व की 84वें नंबर की खिलाड़ी से हारकर जल्दी ही बाहर हो गईं। श्रीजा ने पहला गेम जीता, लेकिन उसके बाद वह अपनी लय खो बैठीं, कई अंक गंवाए और गलतियां करते हुए मात्र 33 मिनट में हार गईं।

किकबॉक्सिंग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

इंदौर। किकबॉक्सिंग एकेडमी इंदौर व इंदौर जिला किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में 10 से 30 मई तक चल रहे किकबॉक्सिंग प्रशिक्षण शिविर का इंदौर शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजन किया जा रहा है जिसमें बालक बालिकाएं किकबॉक्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है यह प्रशिक्षण शिविर किकबॉक्सिंग एकेडमी,कालिंदी गोल्ड सिटी कॉम्बैट स्पोर्ट्स एंड फिटनेस,अन्नपूर्णा रोड, कलानी नगर, संगम नगर राम मंदिर, हॉलमार्क हाई सेकेंडरी स्कूल, मां कमला विद्या विहार, छत्रपति शिवाजी पब्लिक स्कूल, मार्शल आर्टस स्टार एकेडमी,मास्टर आफ मास्टर किकबॉक्सिंग एकेडमी महू इन सभी स्थानों पर किकबॉक्सिंग का प्रशिक्षण किकबॉक्सिंग में प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा दिया जा रहा है

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा

नई दिल्ली- गोलकीपर निधि को कप्तान बनाया गया है, जबकि हिना बानो उनकी उप-कप्तान होंगी, हॉकी इंडिया ने शनिवार को अर्जेंटीना के रोसारियो में होने वाले आगामी चार देशों के टूर्नामेंट के लिए 24 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला टीम की घोषणा की। 25 मई से 2 जून तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में चार देश - अर्जेंटीना, उरुग्वे, चिली और भारत शामिल होंगे। दिसंबर में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के हिस्से के रूप में, भारतीय टीम अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने, टीम संयोजनों का आकलन करने और रणनीतियों को परिष्कृत करने के लिए भाग लेने वाले प्रत्येक देश के खिलाफ दो मैच खेलेगी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के कोच तुषार खांडेकर ने एक विज्ञप्ति में कहा, ÷हम इस टीम से अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की पहचान करना चाहते हैं, खासकर जूनियर विश्व कप के सिर्फ छह महीने दूर होने को देखते हुए। यह दौरा खिलाड़ियों को बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन और अनुभव प्रदान करेगा।÷ ÷लंबे समय में, हम उन्हें सीनियर टीम में सहज बदलाव के लिए भी तैयार कर रहे हैं। यह बदलाव तभी संभव है जब वे विश्व कप जैसे प्रमुख टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें, जो इस दौरे को बेहद महत्वपूर्ण बनाता है।÷ चयनित टीम में दूसरे गोलकीपर के रूप में एंगिल हर्षा रानी मिंज शामिल हैं, जबकि विद्याश्री वी को स्टैंडबाय के रूप में नामित किया गया है। डिफेंसिव यूनिट में ममिता ओरम, लालथंतलुआंगी, मनीषा, पूजा साहू, पार्वती टोपनो, नंदिनी और साक्षी शुक्ला शामिल हैं। मिडफील्ड में प्रियंका यादव, अनीशा साहू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धन, खैदेम शिलेमा चानू, संजना होरो, सुप्रिया कुजूर और प्रियंका डोगरा शामिल होंगी, जबकि हुडा खान और मुनमुनी दास को स्टैंडबाय मिडफील्डर के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। फॉरवर्ड लाइन में हिना बानो, सोनम, सुखवीर कौर, गीता यादव, लालरिनपुई, कनिका सिवाच और करमनप्रीत कौर शामिल हैं, जबकि सेलेस्टिना होरो को स्टैंडबाय फॉरवर्ड के रूप में नामित किया गया है भारत का पहला मैच 25 मई को चिली से होगा।

तेज बारिश से रद्द हुआ कोलकाता-बेंगलुरु मैच, विराट के प्रशंसक हुए मायूस, दोनों टीमों को एक-एक अंक

बेंगलुरु (ईएमएस)। तेज बारिश के चलते आईपीएल 2025 में शनिवार, 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच का मैच बेनतीजा रहा है, दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया गया। इसके साथ डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है, जबकि बेंगलुरु मौजूदा सीजन के पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर आ गई है। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच आईपीएल को एक हफ्ते के लिए रोक दिया गया था। उसके बाद 17 मई से मौजूदा सीजन के बाकी मैच शुरू होने थे। लेकिन, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार शाम से बारिश शुरू हो गई, जो कि देर रात तक चलती रही। ऐसे में मैच को रद्द कर दिया गया।

सारा, आकाश, वैदेही, कनिष्क, गर्व ने जीते खिताब

इंदौर-शनिवार को रेजीडेंसी क्लब में संपन्न रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग में सारा यादव, पुरुष एकल वर्ग में आकाश नंदवाल, बालिका अंडर-14 वर्ग में वैदेही, अंडर-18 वर्ग में कनिष्क कथूरिया और बालक अंडर-12 वर्ग में गर्व मालपानी ने अपने-अपने वर्ग में खिताब जीते। पुरस्कार न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर, कलेक्टर आशीष सिंह, कमिश्नर दीपक सिंह, अखिल भारतीय टेनिस संघ के महासचिव अनिल धूपर और मध्य प्रदेश टेनिस संघ के अध्यक्ष अनिल महाजन ने प्रदान किए। विभिन्न श्रेणियों के फाइनल के परिणाम इस प्रकार हैं -

गर्ल्स-यू-14 (फाइनल)-वैदेही शिंदे ने काशवी ठुकराल को 6-0, 7-6 (4) से हराया लड़के-यू-18 (फाइनल) कनिष्क खतूरिया ने ध्रुव शोनी को 6-3, 6-4 से हराया लड़के-यू-12 (फाइनल) गर्व मालपानी ने विवान अग्रवाल को 6-4 3-6 6-3 से हराया पुरुष युगल (फाइनल) दीप मुनीम/प्रत्यक्ष सोनी ने पराक्रम बाकलीवाल/अर्णव जैन को 6-7(6) 7-5 11-9 से हराया लड़के -यू-14(फाइनल) आराध्या मिश्रा ने अलमीर अली को 6-3, 3-6, 6-1 से हराया-पुरुष एकल आकाश नंदवाल बीट दीप मुनीम 6-2 6-1 महिला एकल सारा यादव बीट आन्या चौबे 7-5 6-0 6-3

माही धारू ने पाकिस्तान को धूल चटाकर जीता गोल्ड।

इंदौर। नेपाल कराते महासंघ के तत्वाधान में एवं विश्व कराते संघ के सानिध्य में दिनांक 16 से 19 मई तक काठमांडू नेपाल में आयोजित हो रही 11वि माउंट एवरेस्ट अंतर्राष्टीय कराते स्पर्धा में मध्य प्रदेश की माही धर्मेंद्र धारू ने पाकिस्तान की सीनियर वर्ग खिलाड़ी नसीमा दुर्रानी को काता इवेंट के ब्लैक बेल्ट सीनियर वर्ग में 10/7 से हराकर भारत को स्पर्धा का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। स्पर्धा में कुल 7 देश पाकिस्तान भारत नेपाल भूटान बांग्लादेश श्रीलंका और जापान भाग ले रहे है ।

इंदौर और नर्मदापुरम सिंधिया ट्राफी के फाइनल में पहुंचे

इंदौर। इंदौर और नर्मदापुरम की टीमों ने आज माधवराव सिंधिया स्मृति अंतर संभागीय क्रिकेट चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। आज एमरल्ड हाईट्स इंटरनेशनल स्कूल के मैदान पर खेले गए पहले सेमीफाइनल में नर्मदापुरम ने जबलपुर को 6 विकेट से हराया। जबलपुर ने पहले खेलते हुए 231 रन बनाए। राहुल कोष्टा ने 56, वरुण तिवारी ने 61 रन बनाए। गौतम रघुवंशी को 4 व आयुष माथुर को 2 विकेट मिले। जवाब में नर्मदापुरम को टीम ने 38.1 ओवर में 4 विकेट पर 234 रन बनाकर मैच जीत लिया। अखिल निगोते ने नाबाद 76, आर्थव महाजन ने 49, यश दुबे ने 47 व राहुल चद्रोल ने 42 रन बनाए। आदित्य मिश्रा ने 3 विकेट लिये। दूसरे सेमीफाइनल में इंदौर ने रीवा को 2 विकेट से हराया। रीवा की टीम 279 रनों पर आउट हो गई। शिवांगकुमार ने 89, त्रिपुरेश सिंह ने 52, रुद्राश सिंह ने 84 रन बनाये। सारांश जैन ने 53 रन देकर पांच, अन्वेष चावला व आकाश राजावत ने 2-2 विकेट लिये। जबाव में इंदौर ने 49.3 ओवर में 8 विकेट पर 298 रन बनाये। सारांश जैन ने 84, शुभम शर्मा ने 51, करण टहलानी ने 40, मिहिर हिरवानी ने नाबाद 22 रन बनाए। सोम्या पांडे ने 51 पर 3, ओमकारसिंह ने 53 रन देकर 2 विकेट लिये।

इस सीजन में और 90 मीटर थ्रो करने की उम्मीद-नीरज

दोहा-दोहा डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा के लिए यह एक ÷कड़वा-मीठा÷ प्रदर्शन रहा, क्योंकि उन्होंने आखिरकार मायावी 90 मीटर के निशान को पार कर लिया, लेकिन उन्हें दूसरे स्थान पर रहना पड़ा और अपनी कमर की चोट के लगभग ठीक होने के साथ, स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी ने इस सीजन में और अधिक 90 मीटर से अधिक थ्रो करने की कसम खाई।

27 वर्षीय दोहरे ओलंपिक पदक विजेता ने अपने भाले को अपने तीसरे प्रयास में 90.23 मीटर तक पहुंचाया और 90 मीटर से अधिक प्रयास करने वाले चेक गणराज्य के अपने वर्तमान कोच जान ज़ेलेज़नी के नेतृत्व में भाला फेंकने वालों की सूची में शामिल हो गए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे एशियाई और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बन गए। हालांकि, जर्मनी के जूलियन वेबर ने बाजी पलट दी और अपने छठे और अंतिम थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसका माप 91.06 मीटर था। वेबर के अंतिम प्रयास से पहले चोपड़ा आगे चल रहे थे। चोपड़ा ने जोर देकर कहा कि उनका सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है और प्रशंसक इस साल उनसे 90 मीटर थ्रो की और उम्मीद कर सकते हैं, जो पिछले पांच वर्षों से उनके लिए एक मायावी उपलब्धि है। अब, आत्मविश्वास से भरे और चोट-मुक्त चोपड़ा, ज़ेलेज़नी के मार्गदर्शन में कुछ पहलुओं को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।पिछले साल नवंबर में ज़ेलेज़नी को चोपड़ा के कोच के रूप में शामिल किया गया था। लेकिन चोपड़ा ने कहा कि वे फरवरी से ही साथ काम कर रहे हैं। ÷मैं 90 मीटर के निशान से बहुत खुश हूं, लेकिन यह वास्तव में थोड़ा कड़वा-मीठा अनुभव है। लेकिन कोई बात नहीं, मैं और मेरे कोच अभी भी मेरे थ्रो के कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं। हमने इस साल फरवरी में ही साथ काम करना शुरू किया था। मैं अभी भी चीजें सीख रहा हूं,÷ चोपड़ा ने इवेंट के बाद कहा।

भांबरी और गैलोवे सेमीफाइनल में

नई दिल्ली-भारत के युकी भांबरी और उनके अमेरिकी जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे ने शनिवार को यहां गैरवरीयता प्राप्त फ्रांसीसी जोड़ी क्वेंटिन हैलिस और अल्बानो ओलिवेटी को सीधे सेटों में हराकर बोर्डो चैलेंजर के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय-अमेरिकी जोड़ी ने एक घंटे आठ मिनट में अपने गैरवरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों पर 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की।

कर्नाटक की अवनि चैंपियन बनीं

मुंबई-कर्नाटक की अवनि उडीपी यहां अखिल भारतीय शतरंज मास्टर्स फिडे रेटेड टूर्नामेंट में महाराष्ट्र के मयूरेश पारकर पर बेहतर टाईब्रेकर स्कोर के आधार पर चैंपियन बनीं। 20 वर्षीय अवनि, जिन्होंने पारकर के समान सात अंक हासिल किए?

भारतीय जूनियर खिलाड़ी पहले विश्व कप के लिए तैयार

नई दिल्ली-40 भारतीय निशानेबाजों और सहयोगी कर्मचारियों का पहला जत्था जूनियर अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी कैलेंडर के ब्लू-रिबैंड इवेंट आईएसएसएफ विश्व कप के लिए शनिवार को जर्मनी के सुहल में रवाना होगा।

आधिकारिक आगमन 19 मई को निर्धारित है, जबकि प्रतियोगिताएं 20 मई से शुरू होंगी और 26 मई को समाप्त होंगी। पिछले साल आईएसएसएफ जूनियर की तीन स्पर्धाओं में से दो में शीर्ष पर रहने वाले भारत ने 57 निशानेबाजों का सबसे बड़ा दल उतारा है, जिनके साथ कोच और सहयोगी कर्मचारियों सहित 21 अधिकारी होंगे। 38 सदस्यों (28 निशानेबाज और 10 सहयोगी कर्मचारी) का दूसरा जत्था रविवार को जर्मनी के लिए रवाना होगा। जर्मनी के केंद्र में लगभग 40,000 निवासियों वाला एक छोटा शहर सुहल लंबे समय से जूनियर अंतरराष्ट्रीय शूटिंग सर्किट की प्रेरक शक्ति रहा है और खेल के भविष्य के सर्वश्रेष्ठ सितारों को आकर्षित करता है। सुहल में कई ओलंपिक और विश्व चैंपियन सामने आए हैं। पिछले साल ओलंपिक वर्ष में अनुपस्थिति के बाद, सुहल जूनियर विश्व कप 59 देशों के 630 से अधिक एथलीटों को आकर्षित करने के लिए धमाकेदार वापसी कर रहा है, जिसमें खेल के सभी मजबूत देश शामिल हैं। जूनियर पुरुषों और महिलाओं के लिए 50 मीटर राइफल प्रोन इवेंट पहले दिन प्रतियोगिताओं की शुरुआत करता है। ट्रैप मिश्रित टीम फाइनल टूर्नामेंट का अंतिम पदक इवेंट होगा। ओलंपियन रायजा ढिल्लों (स्कीट) और हाल ही में संपन्न निकोसिया शॉटगन विश्व कप में मिश्रित टीम ट्रैप कांस्य पदक विजेता सबीरा हैरिस मजबूत भारतीय पक्ष में सबसे प्रमुख नामों में से एक होंगे। अन्य लोगों में नाम्या कपूर, जो 13 वर्ष की उम्र में जूनियर विश्व चैंपियन थीं, मौजूदा डबल जूनियर विश्व चैंपियन दिवांशी (25 मीटर पिस्टल), 25 मीटर पिस्टल भारत 2023 में पिछले सुहल जूनियर विश्व कप में छह स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य पदक जीतकर शीर्ष पर रहा था।

बांग्लादेश के खिलाफ भारत प्रबल दावेदार

यूपिया (अरुणाचल प्रदेश)

शानदार प्रदर्शन कर रही भारतीय टीम रविवार को यहां सैफ अंडर 19 चैंपियनशिप के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश से भिड़ेगी तो वह ट्रॉफी जीतने की प्रबल दावेदार होगी। भारत ने दो ग्रुप मैचों में अपने प्रतिद्वंद्वियों को रौंदा है, जिसमें उसने श्रीलंका को 8-0 और नेपाल को 4-0 से हराया, इससे पहले उसने सेमीफाइनल में मालदीव को 3-0 से हराया था। अब तक उसने सभी मैच जीते हैं। बांग्लादेश भी अब तक अजेय है, उसने मालदीव के साथ 2-2 से ड्रा खेला और सेमीफाइनल में नेपाल को 2-1 से हराने से पहले अपने ग्रुप मैचों में भूटान को 3-0 से हराया था। रविवार को जीत से भारत सैफ आयु वर्ग के पुरुष टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 10वां खिताब जीत लेगा। भारत ने अंडर 15, अंडर 16 और अंडर 17 टूर्नामेंट दो-दो बार जीते हैं, जबकि अंडर 18, अंडर 19 और अंडर 20 टूर्नामेंट एक-एक बार जीते हैं। हेड कोच बिबियानो फर्नांडीस ने उनमें से तीन जीते हैं और चौथे की तलाश में हैं। बांग्लादेश ब्लू कोल्ट्स के लिए परिचित प्रतिद्वंद्वी हैं। दोनों राष्ट्र चार स्न्नस्न पुरुष आयु-समूह फाइनल में मिले हैं, और भारत पिछले साल के स्न्नस्न 17 फाइनल सहित सभी चार में विजयी रहा है,

हमारे लिए, वह हमेशा चीकू हैं

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने कहा कि विराट कोहली उन लोगों के लिए हमेशा ÷चीकू÷ रहेंगे जो उनके साथ बड़े हुए हैं, दिल्ली क्रिकेट में उनके शुरुआती दिनों की दोस्ती को दर्शाते हुए। अंडर-17 स्तर से लेकर सीनियर इंडिया टीम तक कोहली के साथ खेलने वाले इशांत ने कहा कि पूर्व कप्तान की सुपर स्टार की सार्वजनिक छवि उस व्यक्ति के विपरीत है जिसे वह बचपन से जानते हैं। ÷मुझे लगता है कि विराट कोहली (स्टार) बाहरी लोगों के लिए हैं। मैं उन्हें उस तरह नहीं देख सकता क्योंकि हम अंडर-17 में खेले हैं। वह मेरे लिए बचपन का दोस्त है,÷ इशांत, जिन्होंने 105 टेस्ट मैचों में 434 विकेट लिए, ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ गुजरात टाइटन्स के मैच की पूर्व संध्या पर कहा। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने अंडर-19 सेटअप में अपने दिनों को याद किया, जहां उन्होंने कमरे साझा किए, भोजन का बजट बनाया और यात्रा भत्ते बचाए। ÷जब हम अंडर-19 में थे, तो हम गिनते थे कि हमारे पास कितना पैसा है। हम खाना खाते थे। जब हम अंडर-19 में जाते थे, तो हम अपने टीए बचाकर अपने साथ ले जाते थे। इसलिए, विराट कोहली हर किसी के लिए अलग हैं। वह मेरे लिए अलग हैं,÷ उन्होंने कहा इशांत ने कहा कि कोहली के स्टारडम के बावजूद उनका रिश्ता भाईचारे वाला बना रहा। ÷कल्पना कीजिए, आपका भाई इतनी ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। हर कोई सोच रहा है कि वह महान है। लेकिन आप देखेंगे कि आखिरकार, वह एक इंसान है। आखिरकार, आपने उसके साथ बहुत समय बिताया है। आप उसे अंदर और बाहर से जानते हैं। आप जानते हैं कि वह कहां से आया है, वह कैसा है और कैसा नहीं है।÷ हाल ही में आईपीएल मैच से पहले दोनों को मैदान पर गले मिलते हुए देखा गया था,

दिनेश विजयवर्गीय
215 मार्ग 4 रजत कॉलोनी, बूंदी 323001
राजस्थान मोबाइल 94131 28514

गोबर के रंग अपनों के संग

मैं अपने पुराने खंडहर मकान को लाखों रुपए खर्च करकेठीक कराने के बाद उसका बाहरी रंग रोगन कराने की सोचने लगा। बाहरी रंग रूप ही तो लोगों के दिलों में उतरता है। गांव का कच्चा घर हो तो मिट्टी गोबर से लीप पोत कर चकाचक करवा देता । पर शहर की पुरानी बस्ती में जवानी की तरह उठ खड़े हुए पुराने मकान को फिर से लोगों की निगाह में लाना था ,ताकि वह कह सकें, वाह! क्या रंग रूप दिया है पुराने घर को? मैनें इस पर कलर कराने के लिए अनुभवी पेंटर से बातचीत करने का निश्चय किया। वह बोला अंकल घर की शान को देखते हुए ब्रांडेड कंपनी के पेंट्स ही लाने होंगे। मकान में रंग रोगन का खर्चा हजारों में बैठेगा। आखिर ब्रांडेड कंपनी के पेंट्स हैं, कोई मजाक नहीं। पैसा बचाने के चक्कर में सस्ता पेंट लगा लिया तो चमक जल्दी उड़ जाएगी। आप तसल्ली से सोच लो क्या कुछ करना है?

मैं उसकी बात पर सोचने लगा तभी एकाएक कहीं से घूमता फिरता युवा पत्रकार मुंशी आ गया। उसके हाथ में एक अजीब सा रंग का डिब्बा था। मैंने पूछा मुंशी यह कौन से रंग का डिब्बा लेकर आए हो? तुम्हे भी घर पर कलर करवाना है क्या ? उसमें कहा यह डिब्बा कोई छोटा-मोटा कलर का डिब्बा नहीं है। यह देखो इसमें एक ओर लिखा है चमकदार गोबर पेंट्स। एक बार इस्तेमाल करें , ये अपने से लगेंगे। इन रंगों में कोई गहरे केमिकल नहीं हैं और न इसमें बाहरी ताम झाम। ये रंग कहीं टीवी अखबारी विज्ञापन में भी नजर नहीं आते। पर सौ टका खरे हैं।

मैंने शंका व्यक्त करते हुए उससे पूछा तो क्या बड़ी नामी गिरामी कंपनी के रंग घर चमकाने में काम ना लें ? और क्या घर को गोबर से ,कच्चे घरों की तरह लीपें ? वह बोला अंकल पहले चाय का दौर हो जाए फिर गोबर पेंट के बारे में बताऊंगा।

मुंशी गरमा गरम चाय पीने का आनंद लेता कहने लगा, देखो अंकल गौ माता के सच्चे भक्त हैं बाबा नेताजी जी ने, गौशाला को और अधिक सुविधा जनक बनाने के लिए, आपदा में अवसर के तर्ज पर गाय के गोबर के पेंट से सरकारी भवनों को रंगाने का सोच बनाये हुए हैं। उन्होंने गाय के गोबर की आत्मा में बसे गुप्त रंगों की उपयोगिता को पहचाना है । इसलिए मैं भी यह गाय छाप गोबर रंग ले आया । सस्ता और टिकाऊ। इस बहाने गौ माता की इसी रूप में ही सही, सेवा का भागीदार बन जाऊंगा। गौ माता की सेवा किसी तीर्थ से कम नहीं होती। अब आप भी विचार कर लें और देश के सच्चे गौ भक्त बनें । गोबर के रंग अपनों के संग। मैं तो हमारे नेताजी के विचारों को पूरा करने में घर चमकाने जा रहा हूं। इतना कह वह विक्रम बेताल की तरह जय जय गौ माता कहता चला गया । मैं गौ माता के सच्चे भक्त को दूर तक जाता देखता रहा।

विधायकों ने अटकाई भाजपा की टीम

प्रदेश अध्यक्ष के बाद ही निर्णय होने की उम्मीद

इंदौर (नगर संवाददाता)। भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के लिए टीम बनाना सबसे बड़ा जोखिम हो गया है। अभी विधायक दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं और इसी वजह से मामला अटक गया है। पहले प्रदेश अध्यक्ष की बात कही जा रही है, फिर उसके बाद इंदौर का फैसला होगा।

सुमित मिश्रा को सबसे आखिरी में इंदौर शहर का अध्यक्ष बनाया गया था। उन्होंने दावा किया था कि जल्द ही नगर की टीम बना दी जाएगी, लेकिन जिस तरीके से विवाद के आसार बन गए हैं, उससे तो मामला पेचीदा हो गया है। कारण ये है कि छह विधानसभा के विधायकों के पसंदीदा नेताओं के नाम आएंगे, उसके बाद ही आखिरी मोहर लगाई जाएगी। एक नंबर से कैलाश विजयवर्गीय, दो से रमेश मेंदोला, तीन से गोलू शुक्ला, चार से मालिनी गौड़, पांच से महेन्द्र हार्डिया और राऊ से मधु वर्मा समर्थकों के नाम देंगे। दो और एक नंबर तो एक ही गुट का है, इसलिए वो चाहते हैं कि उनके समर्थक ज्यादा बन जाएं, लेकिन नगर अध्यक्ष को देखना है कि वो गुटीय तालमेल कैसे बनाते हैं।

कारण यही है कि विधायक जब तक एक नाव में सवार नहीं होंगे, तब तक माहौल बन नहीं पाएगा। अभी भाजपा के अंदरुनी हालात भी ठीक नहीं दिख रहे हैं, इसलिए टीम पर भी संकट के बादल नजर आ रहे हैं। कहा तो ये जा रहा है कि पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का फैसला होगा और उसके बाद दूसरी तरफ बातचीत की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष के लिए दिल्ली में उठा-पटक होना है, लेकिन अभी पार्टी संगठन से लेकर सत्ता के लोग खींचतान में लगे हैं। राजनीतिक माहौल ठीक नहीं दिख रहा है, इसलिए प्रदेश अध्यक्ष का फैसला आसान नहीं लग रहा है। जिस तरीके से माहौल बनता दिख रहा है, उससे तो यही लग रहा है कि अभी निर्णय नहीं हो पाएगा। माहौल के हिसाब से प्रदेश अध्यक्ष का फैसला होगा और उसके बाद नए अध्यक्ष के पास टीम की लिस्ट पहुंचेगी, जिस पर मोहर लगेगी। प्रदेश अध्यक्ष के लिए दमदारी से नरोत्तम मिश्रा, अरविंद भदौरिया और हेमंत खंडेलवाल का नाम सामने आया है। ऐसी स्थिति में देखना है कि लॉटरी किसकी लगती है। प्रदेश अध्यक्ष के फैसले के बाद ही इंदौर के सियासी समीकरण बनेंगे।

शाह का भविष्य अब कोर्ट के फैसले पर निर्भर

भाजपा दो धड़ों में बंटी, आदिवासी वोट बैंक में उलझी रणनीति

इंदौर। मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह के विवादित बयान ने भाजपा को मुश्किल राजनीतिक स्थिति में ला खड़ा किया है। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर की गई टिप्पणी के बाद मंत्री के इस्तीफे की मांग लगातार हो रही है, लेकिन पार्टी फिलहाल स्पष्ट रुख अपनाने से बच रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बयान देते हुए कहा है कि इस मामले में अदालत का जो भी निर्णय होगा, उसी के अनुसार सरकार आगे कदम उठाएगी।

इसका सीधा संकेत है कि इस्तीफा फिलहाल टाल दिया गया है, लेकिन न्यायिक आदेश के अनुसार स्थिति बदल सकती है। शाह का राजनीतिक भविष्य अब न्यायालय के निर्णय और पार्टी की रणनीति पर निर्भर करता है।

सूत्रों के अनुसार विजय शाह ने इस्तीफा देने से इंकार कर दिया है। अब इस पूरे प्रकरण ने आदिवासी समीकरण और सार्वजनिक छवि के बीच पार्टी को मुश्किल दोराहे पर खड़ी है। वहीं, इस मुसीबत को उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के बयान ने भी बढ़ा दिया है।

दो खेमे में बंटा भाजपा संगठन

पार्टी के भीतर इस मुद्दे को लेकर दो राय बन गई है। एक वर्ग जहां शाह से तत्काल पद छोड़ने की मांग कर रहा है, वहीं, दूसरा खेमा सियासी नुकसान को देखते हुए डैमेज कंट्रोल की रणनीति पर काम कर रहा है। पार्टी नेतृत्व इस बात को लेकर असमंजस में है कि कड़ा फैसला लेना नुकसानदेह हो सकता है।

पार्टी की एक राज्यमंत्री समेत कई नेता शाह के समर्थन में खड़े हैं। वहीं, दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती कह चुकी हैं कि इस्तीफा नहीं तो बर्खास्त करने का निर्णय लें।

आदिवासी वोटबैंक में उलझी रणनीति

दरअसल, मंत्री शाह आदिवासी समुदाय से आते हैं और चार दशक से अधिक समय से विधायक हैं। आदिवासी वर्ग मध्य प्रदेश की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाता है। राज्य में 47 विधानसभा और 6 लोकसभा सीटें इस वर्ग के लिए आरक्षित हैं। ऐसे में पार्टी को आशंका है कि अगर शाह से इस्तीफा लिया गया, तो आदिवासी समाज में गलत संदेश जा सकता है। प्रदेश में आदिवासी वोट बैंक कुल वोट का करीब 22 प्रतिशत है।

कांग्रेस आक्रामक, सुप्रीम कोर्ट में कैविएट लगाई

कांग्रेस इस मुद्दे को छोड़ना नहीं चाह रही है। इसलिए पार्टी की तरफ हर दिन विरोध प्रदर्शन जारी है। वहीं, पार्टी की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट दाखिल की गई है, जिसमें मांग की गई है कि इस मामले में कांग्रेस की बात सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए। साथ ही, राज्यभर में विरोध-प्रदर्शन और कानूनी मोर्चेबंदी की तैयारी भी की जा रही है।

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी में अभी से जुटी कांग्रेस

प्रत्याशी चयन से लेकर बूथ प्रबंधन के लिए बनाई जाएगी टीम

इंदौर। मप्र में कांग्रेस अब भाजपा की तरह ही चुनावी मोड में रहेगी। यानी कांग्रेस अब लगातार चुनावी तैयारी और संगठन की सक्रियता पर फोकस करेगी। इसी कड़ी में कांग्रेस नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी में अभी से जुट गई है। इसके लिए पार्टी ने प्रत्याशी चयन से लेकर बूथ प्रबंधन का फॉर्मूला बनाया है। जिसके तहत इसके लिए टीम भी बनाएगी।

दरअसल, प्रत्याशी चयन में जिला और ब्लाक इकाइयों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। पार्टी का प्रयास है कि स्थानीय और जातीय समीकरणों को देखते हुए प्रत्याशी चयन का काम एक वर्ष पूर्व पूरा कर लिया जाए ताकि संबंधित को काम करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाए। वर्ष 2022 में हुए नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस ने लंबे समय बाद बेहतर प्रदर्शन करते हुए पांच नगर निगम में जीत दर्ज की थी।

गौरतलब है कि विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन नहीं हुआ तो प्रदेश में नगरीय निकायों के चुनाव 2027 में होंगे। कांग्रेस ने इसकी तैयारी अभी से प्रारंभ की है। प्रत्याशी चयन से लेकर बूथ प्रबंधन तक का काम देखने के लिए अलग से टीम बनाई जा रही है। इसमें उन नेताओं को रखा जाएगा, जिन्हें चुनाव लड़ाने का अनुभव है। जिला और ब्लॉक कांग्रेस इकाई की प्रत्याशी चयन में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। ग्वालियर, मुरैना, रीवा, छिंदवाड़ा और जबलपुर में कांग्रेस के महापौर बने थे। इसी तरह नगर पालिका और नगर परिषद में भी पार्षद बने थे।

कालांतर में विभिन्न कारणों से जबलपुर, छिंदवाड़ा और मुरैना महापौर का पार्टी से मोहभंग हुआ और उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली। छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहाके को लेकर असमंजस आज भी बना हुआ है क्योंकि वह लोकसभा चुनाव के समय भाजपा में शामिल हो गए थे और कुछ दिनों बाद फिर वापसी का दावा किया गया।

नए चेहरों की तलाश

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस आगामी चुनावों के लिए नए चेहरों की तलाश कर रही है। दरअसल, गत निकाय चुनाव में पार्टी के अच्छे प्रदर्शन का बड़ा कारण नए चेहरों पर दांव लगाना और समय से पहले प्रत्याशी को लेकर स्थिति स्पष्ट कर देना था। यही काम 2027 में होने वाले निकाय चुनाव के लिए भी अभी से किया जा रहा है। इसके लिए अलग से पूरी टीम बनाई जा रही है, जिसका काम केवल निकाय चुनाव पर फोकस करना रहेगा। प्रत्याशी चयन से लेकर चुनाव प्रबंधन तक में इसकी भूमिका निर्णायक रहेगी। सूत्रों का कहना है कि प्रत्याशी चयन में इस बार जिला और ब्लाक इकाइयों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। सर्वे में जिनका नाम प्रमुखता से सामने आएगा, उन पर स्थानीय इकाइयों के अध्यक्षों की राय ली जाएगी। यदि सहमति बनती है तो फिर जिला प्रभारी के माध्यम से प्रस्ताव प्रदेश कांग्रेस कमेटी को अंतिम निर्णय के लिए भेजा जाएगा।

कांग्रेस सैनिक प्रकोष्ठ ने शाह और देवड़ा के बयानों पर उठाए सवाल, कहा

कार्रवाई नहीं हुई तो सडक़ पर उतरने की तैयारी

भोपाल। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में शनिवार को कांग्रेस सैनिक प्रकोष्ठ ने मंत्री विजय शाह और डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के बयानों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय सेना किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति की नहीं, बल्कि संविधान और राष्ट्र की सेवा करती है। सेना किसी नेता के चरणों में नतमस्तक नहीं होती, बल्कि वह सिर्फ भारत माता के प्रति समर्पित रहती है। बतौर पूर्व सैनिक हमें सेना के अपमान ने बहुत आघात पहुंचाया है। अगर नेताओं के खिलाफ जल्द कार्यवाही नहीं होगी, तो देशभर के पूर्व सैनिक सडक़ों पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की तोड़ मरोडक़र बयान पेश करने की दलील गलत है। मेजर श्याम सुंदर ने कहा कि इस विवादित बयान पर अभी तक सरकार ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब हमारी सेना देश की रक्षा में जान तक देने को तैयार है, तो फिर उसके सम्मान पर चोट करने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने समय पर कार्रवाई की होती, तो सैनिकों का मनोबल बना रहता। लेकिन इस चुप्पी से जवानों में दुख और आक्रोश है।

राजनीति और सेना का खतरनाक मेल-मेजर श्याम सुंदर ने कहा कि यह मामला अब सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं रहा, बल्कि यह साफ दर्शाता है कि वोट बैंक की राजनीति में अब सेना को भी खींचा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सेना देश के लिए नतमस्तक होती है, न कि किसी पार्टी के लिए। उन्होंने स्पष्ट कहा, राजनीति में सीमा का ध्यान रखना चाहिए। जो देश के जवान के मनोबल को तोडऩे का काम करेगा, वह देशद्रोही के समान होगा।समाजवादी पार्टी द्वारा दिए गए बयान पर भी उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना है कि सेना के पहले दिन से ही सैनिकों को सिखाया जाता है कि देश सबसे ऊपर है। ऐसे में कोई भी नेता या दल यदि व्यक्तिगत या सांप्रदायिक टिप्पणी करता है, तो वह भारत के सशस्त्र बलों का अपमान करता है।

भाजपा को भारी पड़ रही मंत्रियों की बयानबाजी

इंदौर। मप्र की भाजपा सरकार को इन दिनों अपने ही मंत्रियों की बदजुबानी के कारण लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए अभद्र बयान ने पार्टी की मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। वहीं अब डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने सेना को लेकर एक विवादित बयान दे दिया है।

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का सेना को लेकर ये विवादित बयान उस समय सामने आया, जब वो जबलपुर में एक कार्यक्रम में पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए मोदी की तारीफ कर रहे थे। तभी वो पीएम मोदी की तारीफ करते करते सेना का अपमान कर बैठे। जगदीश देवड़ा ने कहा कि पाकिस्तान की आतंकियों को तबाह करने के लिए पूरा देश ही नहीं बल्कि पूरे देश की सेना भी प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक है। जिससे भाजपा के लिए मुसीबत खड़ी हो गई है। इसके चलते अब भाजपा ने बड़ा फैसला लिया है। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि भाजपा अपने मंत्री और विधायकों को बोलने का प्रशिक्षण देगी।

मंत्रियों के विवादित बोल के बाद पार्टी का बड़ा फैसला

मंत्री-विधायकों को बोलने का प्रशिक्षण देगी भाजपा

दरअसल मंत्रियों के विवादित बोल के बाद भाजपा ने यह बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत क्या बोलें क्या न बोलें, मंत्रियों और विधायकों को इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि जून माह में इसकी ट्रेनिंग होगी। प्रदेश के सभी 164 विधायकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह ट्रेनिंग भोपाल से बाहर की जाएगी। नर्मदा किनारे ट्रेनिंग हो सकती है। इसके लिए भाजपा ने सभी मंत्री, विधायकों को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संभलकर बोलने का संदेश दिया है।

जैसे हम भीख मांगने आए हों

पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रह्लाद पटेल ने कुछ समय पहले राजगढ़ जिले के सुठालिया में लोधी समाज के एक सम्मेलन के दौरान कहा था कि, हर कोई आता है और मांगपत्र पकड़ा देता है... जैसे हम भीख मांगने आए हों...। मंत्री का यह बयान सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। विपक्ष ने इसे जनता का अपमान बताते हुए सरकार की सोच पर सवाल खड़े कर दिए। सोशल मीडिया पर भी मंत्री के इस बयान की तीखी आलोचना हुई।

अतिथि हैं तो घर पर कब्जा करेंगे?

स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह की अतिथि शिक्षकों को लेकर दी गई टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया था। एक कार्यक्रम में मंत्री ने कहा था कि सरकार अतिथि शिक्षकों के हितों की अनदेखी नहीं करेगी, लेकिन उनकी उपयोगिता की भी समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा था कि जब उनका नाम ही अतिथि शिक्षक है, वे अतिथि बनकर आए हैं तो क्या घर पर कब्जा कर लेंगे? उनकी इस टिप्पणी पर शिक्षकों और राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया आई थी। शिक्षकों का कहना था कि वे वर्षों से कम वेतन और अस्थायी स्थिति में सेवा दे रहे हैं, लेकिन अब उन्हें कब्जाधारी समझा जा रहा है।

खाद वितरण मेरा काम नहीं

प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना ने कुछ महीने पहले एक अजीबोगरीब बयान दिया था। प्रदेश में खाद की किल्लत के समय मंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा था कि प्रदेश में कहीं खाद की कमी नहीं है। अगर, कहीं खाद की कमी है तो मुझे बताएं, मैं खाद पहुंचा दूंगा। मंत्री ने कहा, कौन से जिले और कौन सी तहसील में खाद की आवश्यकता है, बताइए। हालांकि, यह उर्वरक विभाग का मामला है। इसका वितरण सहकारिता विभाग करता है। आप मुझसे पूछ रहे हैं तो मैं उत्तर दे रहा हूं। खाद वितरण मेरा काम नहीं है।

कर्नल सोफिया को आतंकियों की बहन बताया

मंत्री विजय शाह ने सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर अशोभनीय टिप्पणी की। बीते सोमवार को मानपुर में आयोजित हलमा कार्यक्रम में शाह ने कहा था कि जिन आतंकियों ने पहलगाम में लोगों को मारा, उनके कपड़े उतरवाए। उन आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा। प्रधानमंत्री ने उन्हीं की बहन को भेजकर उनकी ऐसी-तैसी करवाई। कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकियों की बहन बताना विजय शाह और भाजपा के लिए भी परेशान बन गया है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com